www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 11 ||अम्बेडकरनगर
गुरुवार
02 अप्रैल 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:57
सूर्यास्तः 06:23
अधिकतमः 38°00
न्यूनतमः 25°00

» पेज 07

विशेष समाचार अपने भीतर के हनुमान को... » पेज 04 | 15 हजार रिश्वत लेने वाला... » पेज 06 | बेटी राहा के पड़े कदम खुल...

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सीएम योगी ने साधा निशाना

'यूपी से कूड़े की राजनीति बाहर'

स्वच्छता हमारे शहर और हमारे राज्य की समृद्धि का आधार है। लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन एवं क्लीन सिटी-ग्रीन सिटी की सिद्धि हेतु आज लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। नवनिर्माण के नौ वर्षों में हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हुआ है। लखनऊ नगर निगम की पूरी टीम एवं नगर वासियों को हार्दिक बधाई।

-सीएम योगी

बदलाव

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएनजी वाहनों को फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने जब राजनीतिक कचरे को हटाकर बदलाव की नींव रखी, उसी का परिणाम है कि स्वच्छता के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रयास सफल रहे ।

» (शेष पेज 06 पर)

डबल इंजन सरकार ने समाप्त की अंधेरे की संस्कृति

मुख्यमंत्री ने कहा कि नव निर्माण के 9 वर्षों में आज हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के टॉप-3 शहरों में शामिल हुआ है। अब इस उपलब्धि को नई ऊंचाई देने के लिए हम 'नेट जीरो' लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम हो और प्रदूषण रहित व्यवस्था विकसित हो। इसी दिशा में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है, जो स्वच्छ और हरित भविष्य की नींव रखेगी। » (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी ने प्रदेश में कचरा उठाव सिस्टम में आए बदलाव का भी जिक्र किया। सीएम ने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले पिछली सरकारों के कामकाज के कारण घर-घर कचरा उठाने जैसी प्रभावी कचरा संग्रहण प्रणाली संभव नहीं थी। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि पहले सत्ता में रहने वाले लोग खुद गंदगी में डूबे हुए थे।

■ सीएम योगी ने कहा कहा पिछली सरकार के कार्य और सोच उसी को प्रतिबिंबित करते थे। इसके परिणामस्वरूप इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियां फैल गईं। हमारी सरकार ने महामारी और इंसेफ्लाइटिस जैसे रोग पर काबू पाया है।

सोलर सिटी अयोध्या से प्रभु श्रीराम के प्रति ज्ञापित की कृतज्ञता

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से 17 नगर निगमों तथा नोएडा-ग्रेटर नोएडा को मिलाकर 18 नगर निकायों को 'सेफ सिटी' के रूप में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ते हुए सीसीटीवी कवरेज दिया गया है और अब इन्हें 'सोलर सिटी' के रूप में विकसित किया जा रहा है। सूर्यवंशी श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो गई है। लखनऊ में भी इसी प्रकार सोलर पैनल लगाकर कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 4.25 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे करीब 1500 मेगावाट बिजली उत्पादन हो रहा है और लोगों के बिजली बिल आधे से कम हो गए हैं। ऐसे प्रयास न केवल लोगों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि शुद्ध और ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा देते हैं। अयोध्या में 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाकर पूरी प्रकाश व्यवस्था सोलर ऊर्जा से संचालित की जा रही है, जो इसे सोलर सिटी के रूप में स्थापित करती है और प्रभु श्रीराम के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक भी है।

अब बाहर से आने वाले लोग लखनऊ की सुंदरता की सराहना करते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आप उत्तर प्रदेश के किसी भी शहर में जाएं, एलईडी स्ट्रीट लाइटों की दूधिया रोशनी से पूरा शहर जगमगाता दिखाई देता है। नगर निगमों ने भी स्पाइरल लाइट लगाकर शहरों को और सुंदर बनाया है। रात में सड़कों पर सुरक्षित और आकर्षक वातावरण दिखता है। लखनऊ आने वाले लोग अब इसकी खूबसूरती की सराहना करते हैं। जहां पहले 2017 से पहले अंधेरा, असुरक्षा और सफाई की कमी महसूस होती थी, आज वही शहर रोशनी, स्वच्छता और व्यवस्थित विकास का उदाहरण बनकर सामने आया है।

» (शेष पेज 06 पर)

स्वच्छता से समृद्धि की बात

सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि स्वच्छता हमारे शहर और हमारे राज्य की समृद्धि का आधार है। लखनऊ नगर निगम के बेहतर कूड़ा प्रबंधन एवं क्लीन सिटी-ग्रीन सिटी की सिद्धि के लिए लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल हरित ऊर्जा से संचालित 250 इलेक्ट्रिक एवं सीएन वाहनों को फ्लैग ऑफ किया गया। सीएम ने कहा कि नवनिर्माण के 9 वर्षों में हमारा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हुआ है।

पीएम ने सुरक्षा पर कैबिनेट कमेटी मीटिंग की अध्यक्षता की

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर PM मोदी की अध्यक्षता में बुधवार शाम 7 बजे कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक हुई। इसमें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण भारत में मौजूदा हालात की समीक्षा की गई। मीटिंग में अमित शाह, एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, प्रल्हाद जोशी, किंजरापु राममोहन नायडू और हरदीप सिंह पुरी समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल रहे। » (शेष 06 पर)

पश्चिम एशिया में हालात की समीक्षा, एलपीजी और पेट्रोल-डीजल सहित जरूरी सामानों पर चर्चा की

ईरान ने बहरीन में अमेजन ऑफिस पर किया हमला

माइक्रोसॉफ्ट-एपल, गूगल भी निशाने पर

जंग

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने बहरीन में आज अमेरिकी कंपनी अमेजन वेब सर्विस के एक डेटा सेंटर पर हमला किया। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, हमले के बाद उस जगह पर आग लग गई। इससे पहले बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी बताया था कि एक कंपनी की इमारत में आग लगी है, जिसे फायर ब्रिगेड की टीम बुझा रही थी। हालांकि उस समय कंपनी का नाम नहीं बताया गया था।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब एक दिन पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मिडिल ईस्ट में काम कर रही 18 अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाने की धमकी दी थी। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एपल, गूगल, मेटा जैसी कंपनियां शामिल हैं। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए किसी समझौते (डील) की जरूरत नहीं है। अमेरिका यह युद्ध 2 से 3 हफ्तों में खत्म कर सकता है। ईरान के हमले में बहरीन में अमेजन के क्लाउड बिजनेस को नुकसान पहुंचा है। इस मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी है।

» (शेष पेज 06 पर)

■ ईरान ने 28 फरवरी को बहरीन में एक रिहायशी इमारत पर ड्रोन अटैक किया था।

■ यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम ने कहा है कि मध्य पूर्व में चल रहा युद्ध पूरे इलाके की अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक यह संघर्ष अब सिर्फ कुछ देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा संकट बन गया है।

ट्रम्प बोले- ईरान से डील की कोई जरूरत नहीं

'ईरानी राष्ट्रपति ने सीजफायर की अपील की'

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका से सीजफायर की मांग की है। ईरान की नई लीडरशिप पहले के मुकाबले कम कट्टर और ज्यादा समझदार है।

हालांकि, ट्रम्प ने साफ किया कि अमेरिका तुरंत सीजफायर नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि जब तक होर्मुज स्ट्रेट पूरी सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका अपना मिलिट्री ऑपरेशन जारी रखेगा।

फास्ट न्यूज

निशिकांत दुबे ने माफी मांगी

नई दिल्ली । बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक पर दिए बयान को लेकर माफी मांग ली है। बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि बीजू बाबू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के स्टेट्समैन रहे है और रहेंगे। मेरे बयान से यदि भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं बेशर्त क्षमा चाहता हूं।'

घटना जांच

चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी हेडक्वार्टर के बाहर ब्लास्ट

चंडीगढ़ । चंडीगढ़ में BJP के पंजाब मुख्यालय के बाहर बुधवार शाम 5 बजे ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद वहां पार्किंग में खड़ी कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। BJP ऑफिस की दीवार पर 70 से 80 छर्रों जैसे निशान बन गए। इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है, जिसमें एक व्यक्ति ग्रेनेड की पिन खोलकर उसे फेंककर भाग रहा है। इस दौरान धमाके की आवाज भी सुनाई देती है। मौके से करीब 10 मीटर दूर स्थित पेट्रोल पंप से CCTV फुटेज भी सामने आया, जिसमें धमाके के तुरंत बाद बाइक पर 2 लोग भागते दिख रहे हैं।

₹218 तक महंगा हुआ कॉमर्शियल सिलेंडर

नई दिल्ली। नए वित्त वर्ष की शुरुआत कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के महंगे होने से हुई है। सरकारी तेल कंपनियों ने इसके दाम 218 रुपए तक बढ़ा दिए हैं। इसके अलावा अब रेल टिकट 8 घंटे पहले तक ही कैंसिल कर पाएंगे। आज से फास्टैग, टोल टैक्स के साथ इनकम टैक्स से जुड़े नियम मिलाकर कुल 15 बदलाव हो रहे हैं।

कालाबाजारी : दिल्ली में 'गैस माफिया' का आतंक

दुकानदार खुलेआम ऊंचे दाम वसूल रहे

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । युद्ध खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं. सरकार कह रही है ऑल इज वेल है, लेकिन गैस सिलेंडर के लिए लाइन अभी भी लग रही है. लोगों को गैस नहीं मिल रही. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कालाबाजारी का भी खेल चल रहा है? यही चेक करने के लिए आजतक की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम 'ऑपरेशन काला धंधा' के तहत दिल्ली की सड़कों पर उतरी। हमारी टीम को जानकारी मिली कि बाहरी दिल्ली के अलीपुर में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और खुलेआम कालाबाज़ारी का गोरखधंधा चल रहा है. हम मौके पर पहुंचे तो एक दुकान पर हमें अंकित नाम का शख्स मिला. हमने उससे सिलेंडर के बारे में पूछा तो अंकित ने तुरंत रेट लिस्ट सामने रख दी।

» (शेष पेज 06 पर)

■ संकट के बीच 4500 में बिक रहा 900 का एलपीजी सिलेंडर

लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा, 'एफसीआरए बिल वापस लो' के नारे लगे

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाला बिल पास

बहस

■ निर्मला सीतारमण बोलीं- आईबीसी कंपनियां बंद करने के लिए नहीं, उन्हें संभालने के लिए है

■ प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- सीएपीएफ बिल से सशस्त्र बलों में भी विभाजन की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा आज लोकसभा से जन विश्वास बिल और राज्यसभा से CAPF बिल भी पास हो गया। इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशों से चंदा मिलने वाले विदेशी अंशदान संशोधन बिल (FCRA) को लेकर हंगामा किया। » (शेष पेज 06 पर)

सीएपीएफ बिल से कार्यक्षमता बढ़ेगी, सर्विस नियमों की कमियां दूर होंगी

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस बिल, 2026 देश की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लाया गया है।

उन्होंने कहा कि इस बिल का मकसद सर्विस नियमों, कैडर मैनेजमेंट और नियुक्तियों में मौजूद असमानताओं को दूर करना है, ताकि बलों की कार्यक्षमता और मनोबल बेहतर हो सके। समय के साथ CAPF की भूमिका बढ़ी है, जिससे अलग-अलग नियम और प्रशासनिक तरीके बन गए थे, जिनसे भ्रम और कामकाज में दिक्कतें आ रही थीं।

"लोकसभा ने जन विश्वास (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल में छोटे-मोटे और तकनीकी उल्लंघनों पर जेल की सजा हटाकर जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है।

संबोधन : पीएम मोदी ने असम के गोगामुख और बिस्वनाथ में जनसभा को संबोधित किया

कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की : पीएम मोदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। पीएम धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीरभूम में जनसभा की। उन्होंने कहा- जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। » (शेष पेज 06 पर)

■ पीएम मोदी ने चाय बागान में पत्ती तोड़ी और महिला को रखने के लिए दी।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब बीजेपी का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं।

प्रियंका बोलीं- असम में धमकी वाली सरकार है

कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसागर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- यह एक भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। » (शेष 06 पर)

ममता ने कहा- भाजपा हमारा पैसा लूट रही और झूठ बोल रही

ममता का हेलिकॉप्टर तूफान के कारण नबाग्राम में नहीं उतर सका

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हेलिकॉप्टर बुधवार को मुर्शिदाबाद के नबाग्राम में खराब मौसम के कारण लैंड नहीं कर सका। अचानक आए तूफान और तेज हवाओं के चलते हेलिकॉप्टर को वापस बुरवान लौटना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 2:10 बजे इलाके में मौसम खराब हो गया, जिससे लैंडिंग संभव नहीं हो पाई।

» (शेष पेज 06 पर)

सबसे बड़ी मुकदमेबाज है केंद्र सरकार : सुप्रीम कोर्ट

केंद्र सरकार पर 25,000 रुपये का जुर्माना

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को सबसे बड़ा मुकदमेबाज बताया है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि हमें समझ नहीं आ रहा कि भारत सरकार ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को चुनौती क्यों दी है। हम बातें सुनते हैं कि मामले लंबित हैं। आखिर सबसे बड़ा मुकदमेबाज कौन है? हर्जाना लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार को अनावश्यक मुकदमेबाजी में पड़ने के लिए फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश केंद्र की उस याचिका पर दिया है जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा एक सीआईएसएफ अधिकारी की बर्खास्तगी को रद्द करने के आदेश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और उज्जल भुइयां की पीठ ने सजा को असंगत पाते हुए अधिकारी को बकाया वेतन देने का भी आदेश दिया।

» (शेष पेज 06 पर)

■ स्वीकृत चिकित्सा अवकाश पर थे अधिकारी लिया गया संज्ञान

3,235 पुलों का निर्माण किया, 50 किमी लंबी मॉडल सड़कें भी बनाई

पीडब्लूडी विभाग बजट का 85% ही खर्च कर सका

मॉनिटरिंग

- 2026-27 में 36000 करोड़ का बजट होगा खर्च

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 85% ही बजट खर्च कर पाया। विभाग को वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 36 हजार 293 करोड़ 95 लाख का बजट मिला था। विभाग ने इसकी तुलना में 30 हजार 581 करोड़ करोड़ 98 लाख रुपए खर्च किए।

विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में सबसे अधिक 3,235 पुलों का निर्माण किया है। 'सेतु बंधन' योजना के तहत 10 बड़े पुलों का निर्माण पर अकेले 1,111 करोड़ रुपए खर्च किए। विभाग ने इस बार 50 किमी लंबी मॉडल सड़कें भी बनाई।

विभाग ने प्रमुख सचिव अजय चौहान और प्रमुख अभियंता अशोक कुमार द्विवेदी ने पिछले दो महीनों से लगातार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बजट खर्च की मॉनिटरिंग की। इससे न सिर्फ विकास कार्यों में तेजी आई और समय पर पैसे का सदुपयोग हुआ। विभाग ने 50 किमी लंबी मॉडल सड़कों का निर्माण किया है, जो भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रोड सेफ्टी ऑडिट और चौड़ीकरण के साथ बनाई गईं। इन सड़कों पर आधुनिक सुविधाएं और सुरक्षा मानक लागू किए गए हैं। विभाग ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए 36,000 करोड़ के बजट जारी किए हैं। इसमें विधायकों के अधूरे प्रस्तावों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही 6 नए हाईवे और सड़क-पुल कार्य शामिल हैं। ये योजनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'गांव से शहर तक बेहतर कनेक्टिविटी' के विजन पर आधारित हैं।

> 'सेतु बंधन' योजना के तहत 10 बड़े पुलों के निर्माण पर 1,111 करोड़ की लागत से काम चल रहा है। इन पुलों से यातायात की भीड़ कम होने और कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। देवीपाटन मंडल में 18 नए छोटे पुलों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

पिछले साल की तुलना में 5 हजार करोड़ अधिक खर्च

पीडब्ल्यूडी विभाग ने सरकार द्वारा तय किए गए 28 हजार करोड़ के लक्ष्य को भी पार कर लिया। 28,087 करोड़ का व्यय कर ओवर अचीवमेंट हासिल किया। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में जहां विभाग ने 23,850 करोड़ का व्यय किया था।

पीडब्ल्यूडी विभाग सीएम के अधीन है। उन्होंने विभाग के कार्यों की लगातार मॉनीटरिंग की। अधिकारियों को वित्तीय खर्च की सीमा बढ़ाई। हर योजना की समीक्षा और सतत निगरानी के चलते विभाग ने ये लक्ष्य हासिल किया।

पुल निर्माण पर सबसे अधिक खर्च किया

विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3,235 पुलों के निर्माण, पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण और विकास का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा था। इनमें NABARD, राज्य योजना ग्रामीण) और राज्य योजना (शहरी) स्कीम के तहत काम शामिल हैं। ये पुल मुख्य रूप से घनी आबादी वाले इलाकों में बनाए जा रहे हैं, ताकि गांव से शहर तक यातायात सुगम हो सके।

> विभाग ने विधायकों के प्रस्तावों पर कई विधानसभा क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत, डबल डिवाइडर वाली सड़कें और नए निर्माण कार्य किए हैं। औद्योगिक पार्कों को जोड़ने के लिए 33 सड़कों के चौड़ीकरण पर 1,253 करोड़ रुपए खर्च किए गए। जबकि विभाग ने हमीरपुरझराट, गोला - शाहजहांपुर जैसे कई स्टेट हाइवे की मरम्मत की।

6.37 करोड़ के एलआईसी घोटाले का आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । CBI (केंद्रीय जांच ब्यूरो) ने एलआईसी में करोड़ों रुपए के वित्तीय घोटाला करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। करीब 11 साल पुराने इस मामले में फरार चल रहे अपराधी समीर जोशी को लखनऊ के एक मेट्रो स्टेशन से दबोचा गया। अदालत में पेशी के बाद उसे न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है।

CBI ने यह मामला 13 अगस्त 2012 को एलआईसी, लखनऊ की शिकायत पर दर्ज किया था। आरोप था कि फरवरी 2006 से अगस्त 2010 के बीच जानकीपुरम स्थित एलआईसी कार्यालय में फर्जी चेक तैयार कर करोड़ों रुपए की हेराफेरी की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने गैर-मौजूद पॉलिसी धारकों के नाम पर फर्जी क्लेम दिखाकर एलआईसी फंड से 6.37 करोड़ रुपए निकाल लिए। इस घोटाले को छिपाने के लिए खातों में हेरफेर और फर्जी एंट्री भी की गई।

- 11 साल पुराने केस में फरार चल रहा था, लखनऊ मेट्रो स्टेशन से दबोचा गया

CBI ने जांच पूरी होने के बाद 21 अगस्त 2014 को 12 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें समीर जोशी का नाम भी शामिल था। जांच के दौरान सामने आया कि समीर जोशी ने एलआईसी के तत्कालीन हायर ग्रेड असिस्टेंट पंकज सक्सेना के साथ मिलकर साजिश रची। दोनों ने मिलकर समीर जोशी, उनकी पत्नी अंजू जोशी और कर्मचारी जितेंद्र कुमार के नाम पर फर्जी चेक तैयार किए।

फास्ट न्यूज

बीओआई घोटाले में सीनियर मैनेजर समेत 5 दोषी

लखनऊ । केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की विशेष अदालत ने बैंक फ्रॉड के एक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन सीनियर मैनेजर समेत पांच आरोपियों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने सभी को तीन-तीन साल की सजा और कुल 3.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

CBI कोर्ट, सेंट्रल लखनऊ ने 31 मार्च 2026 को इस मामले में फैसला सुनाया।

लखनऊ पुलिस में बड़ा फेरबदल

लखनऊ । लखनऊ में पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के तहत आईपीएस अमित कुमार आनंद को डीसीपी साउथ की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि आईपीएस दीक्षा शर्मा को डीसीपी पूर्वी बनाया गया है। 2016 बैच के आईपीएस अमित कुमार आनंद इससे पहले अमरोहा में एसपी के पद पर तैनात थे। अब उन्हें राजधानी के महत्वपूर्ण दक्षिणी जोन की कानून-व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं 2017 बैच की आईपीएस दीक्षा शर्मा जो अब तक हमीरपुर में एसपी के रूप में कार्यरत थीं, को लखनऊ के पूर्वी जोन का प्रभार सौंपा गया है।

परिवार को बंधक बनाकर लाखों की लूटपाट

लखनऊ । लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के माई जी का पुरवा गांव में बदमाशों ने देर रात दो घरों में लाखों के गहने और अन्य सामान पार कर दिया। घटना के दौरान बदमाशों ने परिवार को बंधक बना लिया। विरोध करने पर महिला के सिर पर कट्टा तान दिया। भागते समय 5 साल की मासूम बच्ची को भी उठाकर ले गए। ग्रामीणों के पीछा करने पर कुछ दूर पर छोड़कर फरार हो गए।

सीएम योगी ने बेमौसम बारिश से परेशान किसानों का जाना हाल

आपदा में संबल बनी है सरकार, किसानों को न हो असुविधा, समयबद्ध ढंग से दिलाएं मुआवजा : योगी

तमन्ना

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में बुधवार को हुई बारिश से परेशान किसानों का हाल जाना। उन्होंने असमय बारिश के कारण किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम की मार झेलने वाले किसानों को परेशानी न हो, किसान हित सरकार की प्राथमिकता है। किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर आपदा-विपदा में प्रदेशवासियों के साथ निरंतर खड़ी है। विगत दिनों हुई बारिश से भी किसानों की फसल प्रभावित हुई थी, इससे नुकसान होने वाली फसल का मुआवजा दिलाया जा रहा है। बुधवार को होने वाली बारिश के कारण भी फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका भी जल्द से जल्द आकलन करा लिया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि किसानों को कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड में रहकर वस्तुस्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त से कहा कि फील्ड में कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क करें और समन्वय बनाएं। सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन को उपलब्ध कराई जाए, जिससे राहत कार्य भी समय से हो सके।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगेंगे विशेष शिविर

किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से मिलेगा योजनाओं का लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी किसानों का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। साथ ही प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए। ताकि कोई भी पात्र किसान इस व्यवस्था से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री आवास पर बुधवार को आयोजित बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है। इसके अंतर्गत कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा रहा है, जिससे किसान को विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान के आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त हो सके।

उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। साथ ही प्रत्येक पात्र किसान का किसान पहचान पत्र बनवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजनाओं के लाभ वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए और पात्रता का सत्यापन सुगम हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विभाग अपनी सभी योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था निर्धारित समयसीमा में तैयार करे और विभागीय पोर्टल को 01 मई 2026 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए। इसके माध्यम से लाभार्थियों के चयन और लाभ वितरण की प्रक्रिया को डिजिटल एवं एकीकृत रूप में संचालित किया जा सकेगा।

> मुख्यमंत्री ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से किसानों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी और लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक जटिलताएं समाप्त होंगी। इससे संसाधनों का लक्षित उपयोग संभव होगा तथा विशेष परिस्थितियों में आवश्यक कृषि इनपुट का वितरण अधिक व्यवस्थित तरीके से किया जा सकेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला: विदेशी फंडिंग पर नियंत्रण का बहाना

'विदेशी फंडिंग और एनजीओ कानून में धांधली की तैयारी'

> यादव ने कहा कि भाजपा की हर नीति और बिल की बुनियाद बदनीयती और बेईमानी पर आधारित है। जनता इस बार भाजपा का पक्षपात और भ्रष्टाचार रोकने के लिए कदम उठाएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा Foreign Contribution (Regulation) Amendment 2026 के नाम पर एनजीओ पर अवांछित नियंत्रण लगाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि पीएम केयर फंड में आए विदेशी पैसे का क्या होगा – क्या उन्हें लौटाया जाएगा या विशेष छूट देकर गटक लिया जाएगा।

यादव ने कहा कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि इलेक्टोरल बॉन्ड से मिली राशि कब लौटाई जाएगी। उन्होंने याद दिलाया कि इलेक्टोरल बॉन्ड अवैध घोषित हो चुके हैं, ऐसे में इससे मिला पैसा कैसे वैध माना जा सकता है। साथ ही उन्होंने उन एनजीओ और मुखौटा संगठनों के खातों और संपत्तियों से भी वसूली की मांग की, जिनके माध्यम से विदेशी धन अवैध रूप से आया।

श्री यादव ने यह भी पूछा कि जो पैसा अवैध रूप से विदेश भेजा जा रहा है और जिन भाजपा नेताओं के मित्र विदेशों में आराम से धन जमा कर रहे हैं, उनकी संपत्तियों की वसूली कब होगी। उन्होंने इसे 'भगोड़े भाजपाई भाइयों' के लिए विशेष छूट का उदाहरण बताया।

एनजीओ की स्वतंत्रता खतरे में

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एनजीओ को अपनी कठपुतली बनाने की कोशिश कर रही है। उनका कहना था कि सरकार खुद कुछ काम नहीं करती, जबकि कई बार स्वतंत्र एनजीओ सरकार से बेहतर कार्य कर रहे हैं। इससे सरकार की छवि प्रभावित होती है और भाजपाइयों की असफलताएं उजागर होती हैं।

बेकाबू होकर घर में घुसी स्लीपर बस

मोहनलालगंज । लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे स्लीपर बस बेकाबू होकर घर में घुस गई। बस वाराणसी से प्रयागराज होते हुए जयपुर जा रही थी। यह हादसा फूलवरिया मोड़ के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार करीब 30 से 35 यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में बस चालक और कंडक्टर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री या स्थानीय व्यक्ति की जान नहीं गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ज्योति नगर की ओर से अचानक सामने आए एक ट्रक को बचाने के प्रयास में बस चालक ने वाहन को दाहिनी ओर मोड़ा, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और सीधे इस्लाम मोहम्मद के मकान में जा घुसी। इस टक्कर से मकान का मुख्य गेट और दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घर के सदस्य मेन गेट से हट के पीछे वाले कमरे में सो रहे थे, घर मालिक सुरक्षित है।

ब्रजेश पाठक हाथ जोड़कर प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सवर्ण मोर्चा के लोगों ने बुधवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का आवास घेर लिया। प्रदर्शनकारी यूजीसी के नए नियमों को काला कानून बताते हुए शंख बजाकर नारेबाजी करने लगे। इसी बीच ब्रजेश पाठक उनके बीच पहुंचे। उन्होंने हाथ जोड़कर प्रदर्शन कर रहे लोगों अभिवादन किया।

डिप्टी सीएम के इस तरह सम्मान करने पर प्रदर्शनकारियों ने हंगामा बंद कर दिया। सभी ने ब्रजेश पाठक को उन्हीं के अंदाज में प्रणाम किया। इसके बाद डिप्टी सीएम खुद सभी को अंदर ले गए। यूजीसी के नए नियम क्यों लाए जा रहे हैं? इस सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि वे खुद सामान्य वर्ग से आते हैं। इसलिए अपने वर्ग के किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। इस आश्वासन के बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया। सवर्ण मोर्चा के संयोजक संदीप सिंह, प्रवक्ता पंडित अभिनव नाथ त्रिपाठी और बसंत सिंह बघेल 50 से ज्यादा लोगों के साथ डिप्टी सीएम के घर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हम लोगों ने यूजीसी के नए कानून को लेकर डिप्टी सीएम से मुलाकात की है। हमारे मोर्चा में बीजेपी और सरकार में शामिल लोग भी हैं। हम लोग यूजीसी को लेकर लगातार सवाल कर रहे हैं। बीजेपी सरकार इस कानून को लेकर आई है। कोर्ट ने भले ही इस पर रोक लगा दी है।

- बोले- मैं खुद सवर्ण, लखनऊ में यूजीसी नियमों के खिलाफ शंख बजाकर प्रदर्शन

चर्चा : मनरेगा भुगतान, आवास लक्ष्य व 'हर मौसम सड़क' विस्तार पर केंद्र का ठोस आश्वासन

शिवराज सिंह चौहान की ग्रामीण विकास पर उच्च स्तरीय बैठक

> ग्रामीण विकास योजनाओं को नई गति देने, प्रभावी क्रियान्वयन व बेहतर समन्वय पर गहन मंथन
>
> स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने व 'लखपति दीदी' अभियान को बल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आत्मीय भेंट कर प्रदेश में संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट उत्पाद केंद्रीय मंत्री को भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा इन उत्पादों के बेहतर विपणन, ब्रांडिंग एवं व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के विषय में विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश सरकार के 'लखपति दीदी' अभियान के प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं आय वृद्धि पर विशेष जोर दिया गया।

पारिश्रमिक एवं अन्य देयताओं पर विस्तार से चर्चा

बैठक में मनरेगा योजनांतर्गत श्रमिकों के पारिश्रमिक एवं अन्य देयताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रदेश को श्रमिकों के भुगतान हेतु धनराशि अतिशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशासनिक एवं मैटेरियल मद के भुगतान भी प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएंगे। भुगतान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं तीव्र बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में संचालित एस०एन०ए० स्पर्श प्रणाली को सुदृढ़ करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

> प्रदेश में आवासों के सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के संबंध में उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश में आवासों के सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा अब शीघ्र लक्ष्य आवंटन की आवश्यकता है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार को आवास निर्माण हेतु लक्ष्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाएगा।उत्तर प्रदेश मे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत प्रदेश द्वारा 500 की जनसंख्या के मानक को घटाकर 250 करने का प्रस्ताव रखा गया, ताकि अधिक से अधिक बसावटों को 'हर मौसम की सड़कों' से जोड़ा जा सके। केंद्रीय मंत्री ने योजना के चौथे चरण में स्वीकृतियां शीघ्र प्रदान करने का भरोसा दिलाया तथा तीसरे चरण में निर्माणाधीन सड़कों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में ग्रेडिंग आधारित पारदर्शी व्यवस्था लागू

डिजिटल इम्पैनलमेंट और 'स्मार्ट टॉप-अप' से बढ़ेगी गुणवत्ता व जवाबदेही

तमसा संकेत, संवाददाता

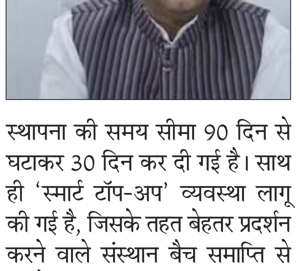

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में कौशल विकास को नई गति देते हुए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन 99,075 प्रशिक्षण लक्ष्यों का आवंटन 957 ट्रेनिंग पार्टनर्स को जारी कर दिया। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में इस वर्ष पहली बार ग्रेडिंग नीति को सार्वजनिक कर प्रशिक्षण केंद्रों का मूल्यांकन किया गया। इसी आधार पर प्राइवेट, इंडस्ट्रियल और सरकारी पार्टनर्स को लक्ष्य आवंटित किए गए, जिससे जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है। मिशन निदेशक पुलकित खरे की पहल पर इस प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाया गया है। प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की समय सीमा 90 दिन से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। साथ ही 'स्मार्ट टॉप-अप' व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले संस्थान बैच समाप्ति से पहले अतिरिक्त लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया गया है। अब इम्पैनलमेंट, लक्ष्य आवंटन और भुगतान पूरी तरह ऑनलाइन होंगे। 23 फरवरी 2026 के नए नियमों के तहत संस्थाओं को उनकी ग्रेडिंग और प्रशिक्षण गुणवत्ता के आधार पर भुगतान किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि होगी। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि AI सहित आधुनिक कौशल प्रशिक्षण, हर वर्ग को प्राथमिकता प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 'AI for All', सॉफ्ट स्किल्स, लाइव क्लास और इंडस्ट्रियल विजिट को अनिवार्य किया गया है। साथ ही 33% महिलाओं, 5% दिव्यांगजनों और वंचित वर्ग के युवाओं को प्राथमिकता देना सुनिश्चित किया गया है, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

- योगी सरकार में कौशल विकास मिशन का बड़ा कदम, पहले दिन 99,075 प्रशिक्षण लक्ष्य आवंटित
- मिशन निदेशक पुलकित खरे की पहल से तेज हुई प्रक्रिया, 90 दिन की जगह 30 दिन में तैयारी

अकबरपुर में आढ़तियों का ऐलान, 6 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल

'मंडी हटने से ठप थोक कारोबार की रफ्तार'

हड़ताल

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय अकबरपुर के शहजादपुर क्षेत्र से पुरानी सब्जी मंडी हटाए जाने के बाद थोक सब्जी और फल विक्रेताओं में नाराजगी बढ़ गई है। आढ़तियों ने 6 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। उनका कहना है कि मंडी हटने के बाद कारोबार प्रभावित हुआ है और स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

मंडी हटने का असर केवल थोक विक्रेताओं तक सीमित नहीं है। फुटकर सब्जी और फल विक्रेता भी

प्रभावित हुए हैं। नई जगह तक पहुंचने में दिक्कत होने के कारण उनकी खरीद प्रभावित हो रही है। कई फुटकर विक्रेताओं ने बताया कि पुरानी मंडी की लोकेशन उनके लिए सुविधाजनक थी, जबकि नई जगह पर व्यवस्था अभी पूरी तरह से विकसित नहीं है। आढ़तियों ने साफ किया है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 6 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। इससे शहर में सब्जी और फल की आपूर्ति प्रभावित

फुटकर विक्रेता नहीं पहुंच रहे, थोक कारोबार ठप

थोक विक्रेताओं के अनुसार, मंडी के स्थान परिवर्तन के बाद फुटकर सब्जी और फल विक्रेता नई जगह तक नहीं पहुंच रहे हैं। इससे थोक बिक्री लगभग रुक गई है। रोजाना आने वाली सब्जियां और फल बिना बिके पड़े हैं। आढ़तियों का कहना है कि पहले जहां सुबह से ही मंडी में चहल-पहल रहती थी, अब वहां सन्नाटा है। इससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

बिक्री न होने के कारण थोक विक्रेताओं के पास बड़ी मात्रा में सब्जियां और फल जमा हो गए हैं। जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के कारण नुकसान बढ़ने की आशंका है। व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा।

हो सकती है। व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे कारोबार सामान्य रूप से चल सके। मामले को लेकर व्यापारी वर्ग प्रशासन के निर्णय की समीक्षा की मांग कर रहा है।

नगरपालिका के फैसले से बदली स्थिति

करीब दो सप्ताह पहले नगरपालिका प्रशासन ने जाम और गंदगी की समस्या को देखते हुए शहजादपुर स्थित पुरानी सब्जी मंडी को हटवा दिया था। इसके बाद मंडी को नई जगह पर स्थापित किया गया। प्रशासन का उद्देश्य यातायात व्यवस्था सुधारना और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना था, लेकिन इस बदलाव का असर व्यापार पर पड़ता दिख रहा है।

उनका कहना है कि मंडी का स्थान परिवर्तन करते समय व्यापारिक जरूरतों का ध्यान रखा जाना जरूरी है।

फिलहाल स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और सभी की नजर प्रशासन के अगले कदम पर है।

बेवाना थाने की कमान बदली प्रभाकांत तिवारी बने थानाध्यक्ष

एसपी अभिजीत आर शंकर का बड़ा फेरबदल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की पुलिस व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने करीब तीन दर्जन निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन किया है। इस फेरबदल में कई अहम थानों की जिम्मेदारी बदली गई है।

जारी आदेश के अनुसार,सर्विलांस सेल में तैनात उपनिरीक्षक प्रभाकांत तिवारी को थाना बेवाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं निरीक्षक सर्वदमन सिंह को बेवाना से हटाकर पुलिस लाइन भेजा गया है। फेरबदल के तहत उपनिरीक्षक शुभम मिश्रा को आहिरौली से हंसवर, शिवम मिश्रा को टांडा से कटका भेजा गया है। हीरालाल

यादव को साइबर थाना के साथ थाना जहांगीरगंज की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

जहांगीरगंज और राजेसुल्तानपुर थानों में भी बदलाव किए गए हैं। अर्जुन यादव को राजेसुल्तानपुर से जहांगीरगंज और आनंद प्रकाश श्रीवास्तव को जहांगीरगंज से अलीगंज स्थानांतरित किया गया है।

पुलिस लाइन से कई उपनिरी-क्षकों को थानों में भेजा गया है। रामविभू सिंह को महरुआ, राजेश कुमार सिंह को कोतवाली जलालपुर, असमत खानम को जहांगीरगंज और रामनरेश को सम्मनपुर भेजा गया है।

इसके अलावा विजय कुमार सोनी को भीटी, आशुतोष शर्मा को आहिरौली और मनोज कुमार राना व संदीप दुबे को बेवाना थाना भेजा गया है। कुछ अधिकारियों को वरिष्ठ उपनिरीक्षक (एसएसआई) के रूप में नई जिम्मेदारी दी गई है। सुधीर कुमार त्रिपाठी को जलालपुर, अमरनाथ यादव को अकबरपुर और राजकुमार भारतीय को आहिरौली में एसएसआई बनाया गया है। महिला उपनिरीक्षक शिवांगी त्रिपाठी को अकबरपुर में प्रभारी आईजीआरएस की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस विभाग के अनुसार यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकता और कार्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

फास्ट न्यूज

वरुणा नदी में दोस्त ने छात्र को डुबोकर मार डाला

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार को वरुणा नदी में दोस्त ने किशोर को डुबो कर मार डाला। इसके बाद दोस्तों ने किशोर के कपड़े ईंट में बांधकर नदी में फेंक दिए। घटना के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस से परिजन भिड़ गए। सिपाही-दरोगा से धक्का-मुक्की की। ग्रामीणों ने पुलिस जीप पर पत्थर फेंके। गोताखोरों के मौके पर नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों की फिर से पुलिस से कहासुनी हो गई।

आवास विकास के प्रमुख सचिव सुप्रीम कोर्ट में तलब

मेरठ । मेरठ की सेंट्रल मार्केट में ध्वस्तीकरण के प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट द्वारा आवास विकास के प्रमुख सचिव को जवाब के लिए तलब किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रमुख सचिव को बृहस्पतिवार में सुबह 10:30 बजे रिपोर्ट के साथ व्यक्तिगत रूप से पहुंचने का आदेश किया है । दरअसल 27 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश किया था कि 6 हफ्तों के अंदर आवासीय प्लॉट में चल रही कॉमर्शियल गतिविधियां वाले प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किया जाए, और रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दी जाए जो आवास विकास द्वारा जमा नहीं की गई।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर टोल दरों में बढ़ोतरी

मेरठ। नए वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। 31 मार्च की आधी रात से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे समेत वेस्ट यूपी के कई हाईवे पर टोल दरों में बढ़ोतरी लागू कर दी गई है। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सीधा असर पड़ेगा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कार, जीप और हल्के वाहनों के लिए टोल 170 से बढ़ाकर 175 कर दिया गया है।

जनता इंटर कॉलेज महरूआ गोला को मिला नया प्रधानाचार्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनता इंटर कॉलेज महरूआ गोला में नए प्रधानाचार्य के रूप में अरुण कुमार सिंह की नियुक्ति की गई है। उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से यह निर्णय पूर्व प्रधानाचार्य योगेन्द्र प्रसाद यादव के सेवानिवृत्त होने के बाद लिया गया। विद्यालय के प्रबंधक सूर्यलाल सिंह ने वरिष्ठता के आधार पर अरुण कुमार सिंह को प्रधानाचार्य नियुक्त किया।

अरुण कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन बनाए रखना और शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने शिक्षकों और कर्मचारियों के सहयोग से बेहतर शैक्षिक वातावरण तैयार करने की बात कही।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विद्यार्थियों की उपस्थिति, पढ़ाई की गुणवत्ता और विद्यालय के समग्र

विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। अरुण कुमार सिंह शिक्षक संगठन में भी सक्रिय हैं। वह उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही वह गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर शिक्षक संगठनों और सहयोगियों ने खुशी जताई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष सुशील कांत दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद सिंह, महेन्द्र यादव, भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय तिवारी, कृष्ण चंद्र श्रीवास्तव और मनोज सिंह समेत कई लोगों ने बधाई दी।

स्कूल चलो अभियान 2026-27 का शुभारंभ, नामांकन बढ़ाने पर जोर

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिखाई हरी झंडी, बच्चों को वितरित किए बैग व किताबें

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ बुधवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर से किया गया। कार्यक्रम में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पटेल ने अतिथियों के स्वागत के साथ की। इसके बाद उन्होंने अभियान की रूपरेखा और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें सराहा गया।

इस दौरान कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को प्रतीकात्मक रूप से

किताबों के सेट, बैग, स्टेशनरी और अन्य सामग्री वितरित की गई। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान में राज्य स्तर पर चयनित आर्या प्रजापति (जलालपुर) और गुलशन (भियांव) को सम्मानित किया गया। आर्या ने अपने हवाई यात्रा के अनुभव भी साझा किए। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिवांश (कम्पोजिट विद्यालय बौरांव, रामनगर) और आराध्या वर्मा (कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कटेहरी) को भी पुरस्कार दिए गए। खेल और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। सत्र 2025-26 में अधिक नामांकन वाले विद्यालयों के प्रधानाध्या-पकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर, किछौछा, आशापार, रुदऊपुर और केदारनगर के प्रधानाध्यापक शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक धर्मराज निषाद ने शिक्षा को समाज की आधारशिला बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुन्दर वर्मा ने अभिभावकों से बच्चों का नामांकन कराने की अपील की।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

जागरूकता रैली से हुआ अभियान का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक रहने और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली और प्रचार वाहनों को रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को साफ-सफाई, मच्छरजनित बीमारियों से बचाव और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी गई।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगा। वहीं दस्तक अभियान 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा।

इन अभियानों में स्वास्थ्य विभाग,

नगर निकाय, पंचायती राज और शिक्षा विभाग मिलकर काम करेंगे।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अभियान के दौरान घर-घर सर्वेक्षण कराया जाए। जलभराव की समस्या दूर की जाए और नियमित फॉगिंग व एंटी-लार्वा छिड़काव कराया जाए।

साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार गतिविधियां चलाने पर जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास साफ-सफाई रखें और कहीं पानी जमा न होने दें। पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें और मच्छरों से बचाव करें।

साध्वी भाग्यश्री भारती ने जीवन और आस्था पर रखे विचार

तमसा तट पर भागवत कथा में गजेन्द्र प्रसंग का वर्णन

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर स्थित तमसा तट प्रांगण में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस मंगलवार को कथा व्यास साध्वी भाग्यश्री भारती ने गजेन्द्र प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने मानव जीवन और आस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कथा के दौरान उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि जब अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब ईश्वर अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं।

उन्होंने कंस को अज्ञान और नकारात्मकता का प्रतीक बताया। कहा कि जब मनुष्य के विचार संकीर्ण हो जाते हैं, तब समाज में भेदभाव और हिंसा बढ़ती है।

साध्वी ने कहा कि जैसे प्रकाश से दूर रहने पर अंधकार होता है, वैसे ही ईश्वर से दूरी जीवन में दुख और असंतोष का कारण बनती है। उन्होंने अवतार का अर्थ समझाते हुए बताया कि ईश्वर जनकल्याण के लिए पृथ्वी पर आते हैं और मानव को सही मार्ग दिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि ईश्वर को वही पहचान सकता है जिसकी बुद्धि श्रद्धा से परिपूर्ण होती है। दिव्य दृष्टि के माध्यम से व्यक्ति अपने अंतःकरण में परमात्मा का अनुभव कर सकता है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और उन्होंने प्रवचन को सुना।

गजेन्द्र प्रसंग से जीवन का संदेश

साध्वी भाग्यश्री भारती ने कहा कि गजेन्द्र की कथा हर व्यक्ति के जीवन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मनुष्य जीवन में भौतिक सुख, रिश्तों और भोग-विलास में व्यस्त रहता है। कठिन समय आने पर कोई साथ नहीं देता। ऐसे में स्थायी और भरोसेमंद संबंध केवल ईश्वर से ही बन सकता है।

उन्होंने कहा कि सांसारिक संबंध स्वार्थ पर आधारित होते हैं, जबकि ईश्वर के साथ संबंध स्थायी होता है। जीवन में निर्भयता और स्थिरता के लिए ईश्वर को जानना आवश्यक है।

कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस हाई अलर्ट पर

तीन घंटे तक चला सघन चेकिंग अभियान, नहीं मिला कोई संदिग्ध वस्तु

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कचहरी परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बुधवार को पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी। ईमेल के जरिए मिली धमकी के बाद पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई और कचहरी व न्यायालय परिसर में व्यापक जांच अभियान चलाया।

पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10 बजे कोर्ट की आधिकारिक ईमेल आईडी पर धमकी भरा संदेश भेजा गया। इसमें दोपहर करीब एक बजे कोर्ट परिसर में बम विस्फोट की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया।

मामले की जानकारी मिलते ही अभिजीत आर शंकर ने पूरे जिले में हाई अलर्ट जारी किया। उन्होंने सर्विलांस और क्राइम ब्रांच की टीमों

को ईमेल की जांच में लगा दिया।

सीओ सिटी नीतीश तिवारी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। टीम ने कचहरी परिसर के हर हिस्से की जांच की। पार्किंग स्थल, वकीलों के चैंबर और अन्य संवेदनशील स्थानों को बारीकी से खंगाला गया। कचहरी में खड़े सभी वाहनों की भी तलाशी ली गई। सुरक्षा को देखते हुए आने-जाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

करीब तीन घंटे तक चले इस अभियान के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद भी एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद कचहरी परिसर में दिनभर पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और निगरानी लगातार जारी रहेगी।

'कागजों में गढ़ा परिवार, संपत्ति पर कब्जे की साजिश उजागर'

मृतक को 'पिता' बनाकर तैयार किए फर्जी वारिस, सात पर मुकदमा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जमीन-जायदाद के लालच में फर्जीवाड़े का एक मामला सामने आया है, जिसमें कागजों पर मृतक का परिवार तैयार कर संपत्ति हड़पने की कोशिश की गई। पुलिस ने इस प्रकरण में सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कटका थाना क्षेत्र के रामापुर मसमूले नूरपुर कलां निवासी सत्यना-रायण शुक्ल के अनुसार उनके छोटे भाई रामप्रकाश शुक्ल का निधन 13 फरवरी 2024 को हुआ था। उनका विवाह ऊषा से हुआ था, लेकिन वर्ष 2010 में न्यायालय से विवाह विच्छेद हो गया था। इसके बाद उनकी कोई संतान नहीं थी और वे दिल्ली में रह रहे थे। इसी स्थिति का लाभ उठाते

हुए आरोपितों ने मृतक का फर्जी परिवार तैयार करने की योजना बनाई। इस मामले में नई दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र के संतोष शुक्ल और प्रीति रानी के अलावा स्थानीय स्तर पर सुमित कुमार शुक्ल, राजितराम, रवींद्र प्रताप, ग्राम पंचायत अधिकारी सुरजीत मौर्य और तत्कालीन सहायक विकास अधिकारी भियांव रहे सुनील कुमार श्रीवास्तव की भूमिका सामने आई है। आरोप है कि सभी ने मिलकर दस्तावेज तैयार कराए और उन्हें वैध दिखाने की कोशिश की। मामले को लेकर सत्यनारायण शुक्ल ने उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर

> **शिकायत में कहा गया कि बिना ग्रामसभा की खुली बैठक के परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज करा दिया गया। यह प्रक्रिया निर्धारित नियमों के विपरीत है। करीब 26 वर्ष बाद इस तरह नाम जोड़ना कई सवाल खड़े करता है।**

कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

कोतवाली प्रभारी अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि सभी आरोपों की जांच की जा रही है। दस्तावेजों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

जहांगीरगंज के सिंहपुर माधवनगर में सड़क और जलनिकासी की समस्या

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 4 स्थित सिंहपुर माधवनगर मोहल्ले में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब बनी हुई है। मोहल्ले की सड़कों की हालत खराब है और जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहल्ले की कई सड़कें जगह-जगह से टूटी हुई हैं। इन पर चलना कठिन हो गया है। कस्बा जहांगीरगंज से माधवनगर स्थित साप्ताहिक मंडी तक जाने वाला संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त है। पवन यादव के घर से सब्जी मंडी तक का रास्ता अधिक खराब स्थिति में है। बरसात के समय जलभराव से बचने के लिए लोगों ने गड्ढों में ईंट के टुकड़े डाले थे, लेकिन मरम्मत नहीं कराई गई। मोहल्ले में नालियों की कमी और सफाई न होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। इससे संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है।

सुविधा : छह माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य, पीडब्ल्यूडी को सौंपी जिम्मेदारी

प्रेस क्लब के जीर्णोद्धार को 138.16 लाख की मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शहर के बसखारी मार्ग स्थित प्रेस क्लब के जीर्णोद्धार और विस्तारीकरण को लेकर प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि इस कार्य के लिए शासन से 138.16 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना के तहत प्रेस क्लब भवन को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। भवन में आवश्यक

सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके।

उन्होंने जानकारी दी कि निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। विभाग द्वारा सभी औपचारिकताएं पूरी कर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

गुणवत्ता पर रहेगा विशेष ध्यान

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार कराया जाएगा। गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी। निर्माण प्रक्रिया की निगरानी भी की जाएगी, ताकि कार्य समय पर और सही ढंग से पूरा हो सके।

> **प्रस्तावित योजना में प्रेस क्लब के भवन का विस्तार किया जाएगा। साथ ही बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जाएगा। इससे जिले के पत्रकारों को बैठने, कार्य करने और संवाद स्थापित करने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।**

प्रशासन ने इस परियोजना को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। जिलाधिकारी के अनुसार, कार्यदायी संस्था को छह माह के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस दौरान लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिशाषी अभियंता सौरभ सिंह भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

लंबा खिंचता युद्ध

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध छिड़े एक माह बीत चुका है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से खुद को शांति का मसीहा बताए जाने के बाद भी पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाला यह खतरनाक सैन्य संघर्ष खत्म होने के बजाय और खिंचता ही दिख रहा है। इसका प्रमाण है अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु केंद्र को निशाना बनाना।

ईरान के इस्फहान स्थित परमाणु केंद्र पर अमेरिका ने एक ऐसे समय बंकर बस्टर बम गिराया, जब ट्रंप ईरानी नेताओं से शांति प्रस्ताव पर कथित तौर पर वार्ता भी कर रहे हैं। या तो वे झूठ बोल रहे हैं अथवा ईरान के साथ-साथ पश्चिम एशियाई देशों और विश्व के साथ भी छल कर रहे हैं। पश्चिम एशिया संकट का समाधान करने के मामले में उनका इरादा कुछ भी हो, वे बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं रह गए हैं।

इसी कारण अमेरिका में तो उनका विरोध बढ़ता ही जा रहा है, उनके मित्र देश और यहां तक कि नाटो राष्ट्र भी ईरान के खिलाफ युद्ध में उनका सहयोग करने को तैयार नहीं। अब यह भी स्पष्ट दिख रहा है कि ट्रंप ने बिना विचारे इजरायल संग ईरान पर हमला बोलकर अमेरिका और यूरोप समेत पूरे विश्व को संकट में डाल दिया। इसके भरे-पूरे आसार हैं कि अभी तक अपनी मनमानी करते चले आ रहे ट्रंप को इस बार अपने अहंकार की कीमत चुकानी पड़ेगी।

पश्चिम एशिया संकट जिस तरह गहराता चला जा रहा है और ट्रंप इस संकट के समक्ष जिस प्रकार असहाय-निरुपाय दिख रहे हैं, उससे उनकी जगहंसाई तो हो ही रही है, अमेरिका की प्रतिष्ठा को चोट भी पहुंच रही है। यह सही समय है कि अमेरिका के नीति-नियंता और साथ ही वहां की जनता इस पर विचार करे कि उसने ट्रंप सरीखे अस्थिर प्रवृत्ति के व्यक्ति को राष्ट्रपति चुनकर क्या हासिल किया?

इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका के साथ इजरायल की रणनीति सवालों के घेरे में है, लेकिन इसके साथ ही ईरान के रवैये को भी सही नहीं कहा जा सकता। ईरान एक तरह से यही दिखा रहा है कि अमेरिका और इजरायल का सामना करने के क्रम में उसे अपनी बर्बादी की परवाह नहीं और उसकी प्राथमिकता ऊर्जा संकट को चरम पर ले जाना और अपने पड़ोसी देशों की नाक में दम करना है। शायद उसकी इसी नीति के कारण खाड़ी के देश नुकसान उठाने के बावजूद यह चाह रहे हैं कि ईरान किसी तरह पस्त हो जाए।

इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि विश्व के प्रमुख देश अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच के घमासान को रोकने के लिए गंभीरता से कोई ठोस पहल करते नहीं दिख रहे हैं। अब जब सभी देश निष्प्रभावी दिख रहे हैं, तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि कहीं से कोई यह आवाज प्रबलता से उठे कि मानवता के हित में इस युद्ध का पटाक्षेप किया जाए। अच्छा होगा कि ऐसी आवाज उठाने का काम भारत करे।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

"हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया।

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को "राम का दास" कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-"ज्ञानिनामग्रगण्यम"। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणा-दायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है- अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना।

ललित गर्ग

संतुलित विदेश नीति का सुफल

संकट में ही वास्तविक चरित्र का परिचय मिलता है। इस संदर्भ में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध एक ताजा पड़ाव बनकर उभरा है। अमेरिका और इजरायल बनाम ईरान युद्ध ने विश्व की सुरक्षा, आर्थिकी और स्थिरता को खतरे में डाल दिया है। हर देश को इससे उपजी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, पर भारत ने इस संकट में जैसी कूटनीति का प्रदर्शन किया, वह परिपक्व एवं फलदायी साबित हुई है। इसके परिणाम हमारे सामने हैं।

देखा जाए तो पश्चिम एशिया में भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासियों का कल्याण और भूराज-नीतिक तथा भूआर्थिकी से जुड़े मुद्दे अहम हैं। भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कुल तेल का लगभग 50 प्रतिशत और कुल गैस का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से तेल एवं गैस ले जाने वाले जहाजों पर हमले शुरू किए, तो नई दिल्ली ने तेहरान के साथ सीधे बातचीत का विकल्प चुना और अपने जहाजों की उस संकरे समुद्री मार्ग से सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित कराई।

भारतीय तेल और गैस वाहक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा इसीलिए संभव हुई, क्योंकि तेहरान ने नई दिल्ली को अपना मित्र और शत्रु खेमे से दूर माना है। ईरान ने भारत को इस श्रेणी में शामिल किया, क्योंकि भारत ने उस पर हमला करने वाले अमेरिकी-इजरायली खेमे की कोई सामरिक सहायता नहीं की। व्यावहारिक कारणों के चलते भारत ने भले ही अमेरिका-इजरायल आक्रमण की प्रत्यक्ष निंदा नहीं की हो, किंतु युद्ध की शुरुआत से ही भारत बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान के समर्थन में खड़ा है।

श्रीराम चौलिया।

प्रगति के आंकड़े बताते हैं ...

कमलेश पांडेय

नक्सलवाद मुक्त भारत की डेडलाइन पूरी, ख्वाब अधूरा, अब अर्बन नक्सलियों पर नजर!

देश के 'पीएम इन वेटिंग' और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों और आतंकवादियों की कमर तोड़ने में अभूतपूर्व और उल्लेखनीय सफलता हासिल की है लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि भारत अभी पूरी तरह नक्सलवाद और आतंकवाद मुक्त हुआ है। हां, सरकार की कोशिशें सराहनीय हैं। यदि शाह अपने नेक मकसद में कामयाब हुए तो प्रधानमंत्री पद की उनकी दावेदारी और पुख्ता हो जाएगी क्योंकि उन्होंने मनमाफिक राष्ट्रीय टीम पहले से ही बना रखी है।यह ठीक है कि सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का लक्ष्य रखा था और आतंकवाद समाप्ति को लेकर ऐसा कोई दुरूह लक्ष्य घोषित नहीं किया गया था और कड़ी कार्रवाई गतिमान है लेकिन पूरे देश की बात छोड़ दी जाए तो खुद दिल्ली-एनसीआर से ब्रेक के बाद सामने आने वाले मामले इस बात की चुगली कर रहे हैं कि उद्देश्यपूर्ति काफी जटिल है।

ऐसा इसलिए कि नक्सलियों और आतंकवादियों को बौद्धिक और आर्थिक खुराक देने वाली जमात राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक हलकों में सक्रिय हैं! प्रशासनिक गलियारों तक में इनकी जातिवादी और सांप्रदायिक पैठ है। जब तक इनकी शिनाख्त और गिरफ्तारी नहीं होती, उद्देश्य अधूरा रहेगा। संभव हो कुछ तत्व सत्ताधारी दल से भी डायरेक्ट या वाया मीडिया

सम्बन्धित हों।

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में नक्सली गतिविधियाँ बनी हुई हैं। फरवरी 2026 तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घटकर 6-7 रह गई थी, मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र (बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर) में। वहीं, मार्च 2026 के अंत में सुकमा में नक्सली मुठभेड़ हुई, जहाँ एक नक्सली मारा गया। गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कहा कि नक्सलवाद लगभग समाप्ति की कगार पर है, लेकिन औपचारिक घोषणा प्रक्रिया पूरी होने पर होगी। सरकारी दावा करते हुए अमित शाह ने 30 मार्च 2026 को लोकसभा में कहा कि ₹देश नक्सल मुक्त हो चुका है₹ और ₹नक्सलवाद विलुप्ति की ओर है।₹ 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के ठीक पहले भी ऑपरेशन चल रहे थे जिसमें सैकड़ों नक्सली मारे गए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। फिर भी, बस्तर जैसे क्षेत्रों में सीमित गतिविधियाँ जारी हैं।

प्रगति के आंकड़े बताते हैं कि नक्सल प्रभावित जिले 126 (2010) से घटकर 6-7 (2026) पर पहुंच गए और ज्यादातर नक्सली मारे गए। 700+ तो हाल के वर्षों में।वहीं, आत्मसमर्पण करने वाले 4,800+ नक्सली दूसरे धंधों में जुड़ चुके हैं। बहरहाल, नक्सलवाद बहुत कमजोर हो चुका है, लेकिन पूर्ण मुक्ति की घोषणा अभी बाकी है। भारत में नक्सल प्रभावित 6 जिलों की स्थिति काफी संवेदनशील बनी हुई है, जहाँ सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। ये जिले मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में केंद्रित हैं।

वहीं, सबसे अधिक प्रभावित जिले निम्नलिखित 6 जिले हैं, जिनके नाम छत्तीसगढ़ (बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, नारायणपुर, सुकमा), झारखंड (पश्चिमी सिंहभूम), और महाराष्ट्र (गढ़चिरौली) हैं। इनमें नक्सली गतिविधियाँ सीमित लेकिन सक्रिय हैं, जैसे छिपे हुए कैंप और छोटे हमले। सुरक्षा बलों ने हाल के ऑपरेशनों से इन क्षेत्रों में घुसपैठ बढ़ाई है।

जहां तक वर्तमान अभियान की बात है तो छत्तीसगढ़ के सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और गरियाबंद (कभी-कभी सूचीबद्ध) में हाई-अलर्ट सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं। सरकार ने अंतिम बड़े अभियान की तैयारी की है, जिसमें आत्मसमर्पण और मुठभेड़ों पर जोर है। मार्च 2026 तक हिंसा में भारी कमी आई लेकिन पूर्ण नियंत्रण बाकी है। वहीं प्रगति संकेत यह है कि नक्सली संख्या घटी, सैकड़ों आत्मसमर्पण हुए। विकास परियोजनाएँ शुरू हुईं, जैसे सड़कें और स्कूल। फिर भी, जंगलों में छिटपुट गतिविधियाँ जारी हैं। लिहाजा, 31 मार्च 2026 की डेडलाइन के बाद भी इन जिलों पर फोकस रहेगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने नक्सल प्रभावित 6 जिलों (मुख्यतः छत्तीसगढ़ के बीजापुर, कांकेर/नारायणपुर, सुकमा, झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम, महाराष्ट्र का गढ़चिरोली) को नक्सल मुक्त करने के लिए बहु आयामी रणनीति अपनाई है। यह योजना 31 मार्च 2026 तक पूर्ण मुक्ति का लक्ष्य रखती है, जिसमें सुरक्षा अभियान, आत्मसमर्पण नीति और विकास पर जोर है। सुरक्षा अभियान भी जारी है।

इस बात...

ज्ञान चंद पाटनी

भगदड़ से मौतें : भारी पड़ रही भीड़ प्रबंधन की अनदेखी

बिहार के नालंदा जिले के मघड़ा गांव स्थित शीतला माता मंदिर में हर वर्ष की भांति श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी लेकिन यह उत्साह जल्द ही हादसे में बदल गया। ऐसे हादसे बार—बार चीख—चीख कर कहते हैं कि भीड़ प्रबंधन की अनदेखी जानलेवा साबित होती है। इसके बावजूद न सरकार और प्रशासन पर इसका असर होता है, न ही आयोजकों पर। इससे साफ है कि किसी को भी आम जनता की जान की परवाह नहीं है। इस बात की पुष्टि इस तथ्य से भी होती है कि राजगीर स्थित नालंदा विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम के लिए 2500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे, लेकिन शीतला माता मंदिर में 25 हजार भक्तों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया। भारत में भगदड़ के कारण होने वाली मौतें कभी खत्म नहीं होने वाली त्रासदी बन चुकी हैं। शीतला माता मंदिर में भगदड़ से हुई मौतों ने इस सच्चाई को फिर उजागर कर दिया है।

भारत में धार्मिक कार्यक्रमों, त्योहारों और तीर्थ स्थलों पर खास अवसरों पर बड़ी संख्या में लोग जमा होते हैं। इस तरह के आयोजनों में सुरक्षा, प्रबंधन और प्रवेश-निकास व्यवस्था के मामले में अक्सर लापरवाही बरती जाती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की गाइडलाइन की तरफ तो ध्यान ही नहीं दिया जाता। ऐसा हादसा कहीं भी हो, आमतौर पर मुख्य कारण भीड़ प्रबंधन की अनदेखी ही होता है। लोगों की सुरक्षा सरकार और आयोजकों, दोनों की जिम्मेदारी होती है। भारत में धार्मिक आयोजनों की संस्कृति ऐसी है कि ज्यादातर मामलों में

आयोजक या संस्था भीड़ को संभालने के लिए कोई खास योजना या निगरानी व्यवस्था पर ध्यान ही नहीं देते। शायद वे मानकर चलते हैं कि लोगों की सुरक्षा का काम भगवान का है। ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन भी आंखें मूंदे रहता है। जब हालात बिगड़ते हैं, तब सब एक-दूसरे पर दोष मढ़ते नजर आते हैं।

नालंदा जिले में हुए हादसे का विवरण जितना दर्दनाक है, उतना ही शर्मनाक भी है। आसपास से हजारों भक्त माता के दर्शन को उमड़े थे, लेकिन मंदिर प्रबंधन और प्रशासन ने कोई विशेष इंतजाम नहीं किए। छोटा गर्भगृह, फिसलन भरी सीढ़ियां, अव्यवस्थित रास्ते और सबसे ऊपर दर्शन की होड़। श्रद्धालु कतार तोड़कर आगे बढ़ने को आतुर थे। पुजारी जल्दबाजी में दर्शन करा रहे थे। चोर दरवाजे से पैसे लेकर विशेष प्रवेश के आरोप भी सामने आए हैं।

देश में होने वाली करीब 80% भगदड़ के मामले धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान सामने आते हैं। मंदिरों, दरगाहों और तीर्थ स्थलों पर भीड़ सुरक्षा योजना पर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रवेश-निकास द्वारों और आपात निकासी मार्ग को लेकर गंभीरता नहीं बरती जाती।

जरा हटके

भाजपा के लिए, यह...

अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी के लिए, आगामी विधानसभा चुनाव केवल एक चुनाव नहीं बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की पाँच अलग-अलग परीक्षाएँ हैं

इन पाँच राज्यों में से एक है असम जहाँ भाजपा एक आशावान के रूप में प्रवेश नहीं करती, जो अपने पैर जमाने की तलाश में हो। वह यहाँ एक बदली हुई राजनीतिक जलवायु की वास्तुकार सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में प्रवेश करती है। पिछले एक दशक में, राज्य एक ऐसे माहौल से आगे बढ़ा है जो कभी उग्रवाद, अनिश्चितता और असमान संपर्कता से प्रभावित था, अब यहाँ प्रशासनिक नियंत्रण, सड़कें, पुल, कल्याणकारी योजनाओं का वितरण और राज्य क्षमता की मजबूत भावना अधिक स्पष्ट रूप से दिखती है। यह परिवर्तन न तो पूर्ण है और न ही आलोचना से परे, लेकिन यह इतना वास्तविक है कि मतदाता 126 सीटों के इस चुनाव को जिस मूड के साथ देखते हैं, उसे आकार देता है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा इस कहानी के केंद्र में बने हुए हैं। उनकी सार्वजनिक शैली सीधी, राजनीतिक रूप से तीक्ष्ण और हस्तक्षेपकारी है। समर्थक उन्हें निर्णायक और ऊर्जावान मानते हैं, आलोचक उनमें केंद्रीकरण और अतिक्रमण देखते हैं। भाजपा के लिए, यह व्यक्तिगत नेतृत्व पूंजी इसलिए मायने रखती है क्योंकि असम अब पिछले चुनावों की तुलना में एक कठिन सवाल पूछ रहा है। मुद्दा अब केवल इतना नहीं है कि क्या पार्टी स्थिरता लाई। यह है कि क्या वह स्थिरता को समृद्धि की अगली पीढ़ी में बदल सकती है।संभावित फैसला अभी भी निरंतरता की ओर झुका हुआ है। बहुमत का आंकड़ा 64 है। हालाँकि, असम में भाजपा के लिए आगे सिर्फ एक और कार्यकाल नहीं है। यह आश्वासन की राजनीति से

अपेक्षा की राजनीति में संक्रमण है। पश्चिम बंगाल इस चुनावी चक्र में सबसे अधिक भावनात्मक रंगमंच बन गया है, एक ऐसा राज्य जहाँ राजनीति केवल घटित नहीं होती बल्कि अपना अभिनय करती है। यहाँ, हर चुनाव अभियान स्मृति, पहचान, शिकायत, भाषा, प्रतीकवाद और सत्ता की वैधता पर एक प्रतिस्पर्धा भी है। इसलिए 294 सीटों का विधानसभा चुनाव सिर्फ दलों के बीच की दौड़ नहीं है। यह एक संघर्ष है कि कौन बंगालियों को बंगाल की कहानी सुनाएगा। चुनाव पूर्व भाजपा ने बंगाल को अपरिवर्तनीय रूप से बदल दिया है। वह अब कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है जो कभी-कभार शोर मचाता हो। वह प्रमुख चुनौतीकर्ता है, वह मुख्य ध्रुव है जिसके इर्द-गिर्द तृणमूल विरोधी राजनीति अब संगठित है। पार्टी ने राज्य के बड़े हिस्सों में, विशेष रूप से जहाँ स्थानीय भ्रष्टाचार, हिंसा या बहिष्कार के खिलाफ शिकायत गुस्से में बदल गई है, कार्यकर्ताओं की ताकत बनाई है। उसने बंगाल में एक दूसरी शब्दावली बनाई हैः संरक्षण के बजाय शासन, सिंडिकेट शक्ति के बजाय जवाबदेही, प्रबंधित निर्भरता के बजाय आकांक्षा।

पारदर्शिता हो तो आचार्य श्री भिक्षु जैसी सत्य समर्पित साधक आचार्य श्री भिक्षु सत्य के परम भक्त थे

सत्य ही भगवान हैं । उन्होंने इस आर्ष वाक्य को हृदयगंम किया था । वे आग्रही नहीं, अनाग्रही थे । उनका मस्तिष्क सत्य संगम समता के तटबंधों से आलोकित था । सुंदरता वो नहीं जो हमको आईने में दिखाई देती है । सुंदरता गुणों की होनी चाहिए जो दिल से महसूस की जाए। आज भी गोरा रंग पसंद किया जाता है। बौद्धिक क्षमता , कार्य क्षमता आदि के बदले शारीरिक आकर्षण देखा जाता है। बाहरी सुंदरता उम्र के साथ ढल जाती है , शरीर तो नाशवान है पर आन्तरिक सौंदर्य उम्र के साथ स्थायी रहता है । वह अभी वर्तमान् में आचार्य श्री भिक्षु जैसे व्यक्ति अगर दुनिया में नहीं भी है तो भी आंतरिक (सुंदरता)गुणों के बल पर सब के दिलों में सदा राज करतें है । वह सब उनके कार्य को याद करते हैं । अतः उजलापन चारित्र में हो , आकर्षण आभामंडल में हो, आंखों में शर्म हों, वाणी नरम हो , दिल में करुणा हो, मन में सेवा भावना आदि - आदि हो। उसी व्यक्ति को सभी चाहते हैं । वही व्यक्ति सुंदर होता हैं । वह सबको मनभावना लगता हैं । आचार्य श्री भिक्षु तेरापंथ के आदि प्रणेता थे । वे बहुआयामी व्यक्तित्व और कृतित्व के धनी थे । महामना की पारदर्शिता ने तेरापंथ के निलम्बर में उनका तलस्पर्शी ज्ञान जन- जन के लिए चार चांद लगा दिए हैं । वह उनकी बुद्धि वह सूक्ष्म दर्शिता आदि काबिले तारीफ थी । सदियों बाद ही ऐसे महामानव इस धरा पर आते हैं । हमारे लफ़्ज़ का नहीं लहजे का असर होता है। लफ्ज तो चोरी या उधार से भी आ जाते हैं लेकिन सही लहजे वाला व्यक्ति अग्रसर होता है । हम इसको यूं कहें कि सही लहजे वाले का ही घर बसर होता है । वह लहजे में ही सवाल और जवाब छिपे रहते है । वह लहजे से ही गुल और गुलाब खिलते हैं । लहजे से आफताब और महताब कहे जाते हैं । लहजे से ही इन्सान की पहचान होती हैं । हमारे लहजे में शालीनता झलके। मन-मस्तिष्क एक सागर है उस पर लहराती विचारों की तरंगे वे उछालती लफ्जों से भरा पानी हैं । वह जब तरंगे शान्त होती हैं तो लफ्जों का लहजा भी शान्त होता हैं । वह उस सागर के पास सभी इन्सान आना चाहते है । सागर कभी नही चाहता कि उसके अन्दर ज्वार भाटा हो फिर भी ऐसा क्यों होता हैं ? आवेग और आवेश से जो नाता है तभी तो लफ्जों का लहजा ज्वार भाटा बन जाता हैं फिर भी वह हमेशा सागर शान्त रह सकता हैं चुंकि शान्त मन-मस्तिष्क ही लहजे में शालीनता का आधार है । यह हमारे द्वारा आचार्य श्री भिक्षु जैसी पारदर्शिता से सम्भव हैं। हम इतिहास के पृष्ठ को पढ़ते हैं तो यूनान के सुप्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात और उसके शिष्य अरस्तू को पश्चिमी दार्शनिक के रूप में सम्मान के साथ देखा जाता है। वह जो महान होते है वे हर बात से शिक्षा लेते है, बच्चे को भी गुरु बना लेते है और जो अच्छी बात होती है उसे आत्मसात भी कर लेते है।

प्रदीप छाजेड़

फर्रुखाबाद में 9 महीने बाद कंकाल मिला, पत्नी सीएम ऑफिस गई तो न्याय मिला

बहन को छेड़ने वाले दोस्त को मारकर खेत में दफनाया

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

फर्रुखाबाद । फर्रुखाबाद में एक युवक ने बहन से छेड़छाड़ करने वाले अपने दोस्त की हत्या कर दी। शव को घर से 1 किलोमीटर दूर खेत में गाड़ दिया। वारदात का खुलासा 9 महीने बाद हुआ है।

पुलिस ने आरोपी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर उसके खेत से एक कंकाल बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या से पहले उसने दोस्त को शराब पिलाई गई, फिर गला घोंटकर मार दिया।

पूछताछ में आरोपी रामू ने बताया,

ओमवीर, मृतक

ओमवीर उसका दोस्त था। वह उसे अपनी बहन की ससुराल लेकर गया था। वहां ओमवीर ने उसकी बहन से छेड़छाड़ की। यह बात ससुराल वालों ने भी देख ली, जिससे रिश्ता खराब हो गया। इसी रंजिश में उसने हत्या की साजिश रची। उसने सुरजीत यादव को भी साथ मिला लिया। घटना वाले दिन ओमवीर को अपने खेत पर बुलाया। पहले उसे शराब पिलाई, फिर गमछे से गला घोंटकर मार दिया। हत्या के बाद शव को वहीं मक्के के खेत में गाड़ दिया।

आरोपी की निशानदेही पर बुधवार सुबह मजिस्ट्रेट और फॉरेंसिक टीम खेत पर पहुंची। जेसीबी से खेत की खुदाई कराई गई। कई घंटे की मशक्कत के बाद करीब पांच फीट गहरे गड्ढे से कंकाल बरामद हुआ। मौके से तौलिया, चप्पल और कपड़े भी मिले हैं।

मृतक की पत्नी पिछले 9 महीनों से अपने पति की तलाश में अधिकारियों के चक्कर काट रही थी। मुख्यमंत्री ऑफिस में शिकायत के बाद पुलिसवाले हरकत में आए और मामला खुला। पूरी घटना अमृतपुर थाना क्षेत्र के गुजरपुर पमारान गांव की है।

तीन साल पहले युवक की हुई थी शादी

गुजरपुर पमारान गांव का रहने वाला ओमवीर (26) साइकिल मिस्त्री था। गांव में उसकी छोटी सी दुकान थी। तीन साल पहले उसकी शादी शाहजहांपुर की धर्मशीला से हुई थी। अभी उनके कोई बच्चे नहीं थे। परिवार में दो भाई राजवीर और राहुल हैं। तीन बहनें हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। ओमवीर के पिता की 2015 में सर्पदंश से मौत हो गई थी।

20 जुलाई, 2025 की शाम करीब 7 बजे ओमवीर अपनी दुकान पर था। तभी पड़ोसी रामू यादव (25) वहां आया। रामू टेंट लगाने का काम करता था। उसने ओमवीर से साथ चलने को कहा। ओमवीर ने दुकान बंद की और घर पहुंचा। पत्नी धर्मशीला से खाना लगाने के लिए कहा, लेकिन बिना खाना खाए वह रामू के साथ चला गया। देर रात तक वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। ओमवीर की मां राजेश्वरी देवी ने सपा नेता और पूर्व प्रधान देवेंद्र यादव समेत 6 लोगों के खिलाफ शिकायत दी।

पीड़ित की पत्नी ने SP आरती सिंह से रो-रोकर मदद की गुहार लगाई थी

खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गईं

कई महीनों तक मामले की जांच चलती रही। खुलासे के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। आसपास के जिलों में भी तलाश की गई, लेकिन ओमवीर का कोई सुराग नहीं मिला। इस दौरान पत्नी धर्मशीला लगातार न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाती रहीं। बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय में भी शिकायत की। करीब 9 महीने बाद, 31 मार्च 2026 की रात पुलिस ने मुख्य आरोपी रामू को देहरादून से गिरफ्तार किया।

जैंत की अनुराधा बनीं पीसीएस अधिकारी पहले प्रयास में हासिल की सफलता

कठिन परिस्थितियों में पाई सफलता

तमसा संकेत, संवाददाता

चौमुंहा। क्षेत्र के गांव जैंत की बेटी अनुराधा सिंह ने पहले ही प्रयास में यूपी पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट कमिश्नर का पद हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और लोगों द्वारा उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं।

अनुराधा सिंह, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य ठा. मुकेश प्रताप सिंह की पुत्री एवं पूर्व प्रधान ठाकुर जगन्नाथ प्रसाद सिंह की पौत्री हैं। उन्होंने जीएलए विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की पढ़ाई पूरी की है। खास बात यह रही कि उन्होंने सात माह के बच्चे के साथ इंटरव्यू देकर यह सफलता हासिल की, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत का उदाहरण है।

अनुराधा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों और परिवार-जनों को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। बताया जाता है कि अनुराधा के पिता ठा. मुकेश प्रताप सिंह पिछले नौ वर्षों से कोमा में हैं। नौ वर्ष पूर्व वे छत से गिर गए थे, जिसके बाद से लगातार उपचार के बावजूद वे सामान्य अवस्था में नहीं आ सके। ऐसे कठिन हालातों में भी अनुराधा ने हिम्मत नहीं हारी और सेल्फ स्टडी के दम पर यह मुकाम हासिल किया।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर सिविल कोर्ट में बार एसोसिएशन का चुनाव

गोरखपुर । गोरखपुर के सिविल कोर्ट में बुधवार को बार एसोसिएशन का इलेक्शन शुरू हो गया है। परिसर के अंदर जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के समर्थकों में भी भारी उत्साह है। उनका हौसला बढ़ाने के लिए नारे लगा रहे हैं। सभी वोटर्स सुबह 10 बजे से ही बूथ पर पहुंच कर वोटिंग कर रहे हैं। उन्हें कड़ी सुरक्षा और निगरानी के साथ चेकिंग के बाद ही एंट्री दी जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी ने मियांगंज का दौरा किया

उन्नाव। अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री प्रेमचंद ने शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 01 अप्रैल 2026 को थाना आसीवन क्षेत्र के मियांगंज का दौरा किया।

इस दौरान, श्री प्रेमचंद ने थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह और कांस्टेबल रमेश चंद्र यादव, विजय प्रताप सिंह, अखिलेश मिश्रा सहित पुलिस बल के साथ मियांगंज चौराहे पर पैदल गश्त की।

गश्त के दौरान, उन्होंने क्षेत्र की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया और स्थानीय निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा।

गैस के लिए परेशान व्यक्ति गाड़ी के आगे लेटा

बाराबंकी। बाराबंकी जनपद के दरियाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार को एक उपभोक्ता ने गैस सिलेंडर न मिलने और कथित कालाबाजारी के विरोध में प्रदर्शन किया। पिछले 15 दिनों से रसोई गैस के लिए भटक रहे उपभोक्ता ने गैस से लदी गाड़ी के आगे लेटकर अपना विरोध दर्ज कराया। यह घटना दरियाबाद ब्लॉक मुख्यालय के सामने स्थित 'ओम गैस एजेंसी' पर हुई।

बिरला की एंजेलिका नीब्लर से मुलाकात

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। लोक सभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन में सुश्री एंजेलिका नीब्लर, MEP, के नेतृत्व में आए यूरोपीय संसद के भारत संबंधी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि यूरोपीय संघ के संसदीय प्रतिनिधि-मंडल के साथ यूरोपीय संघ के लिए संसदीय मैत्री समूह की पहली बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

मुलाकात के दौरान भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा साझा मूल्यों के महत्व पर चर्चा की गई।

लोकसभा अध्यक्ष ने यूरोपीय संसद में भारत के साथ संबंधों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात की

दोनों पक्षों में यह सहमति बनी कि संसदीय आदान-प्रदान सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो आपसी ज्ञानवर्धन और लोकतांत्रिक संस्थानों के सुदृढ़ीकरण में सहायक है। इस अवसर पर संसदीय आदान-प्रदान को और गहरा करने और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए साझा प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

फोन पर डिलीवरी होने से बिगड़ी तबीयत, अस्पताल के बाहर परिजनों का हंगामा

अयोध्या में प्रसव के दौरान मां और नवजात की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में एक प्राइवेट अस्पताल में डिलीवरी के दौरान मां और नवजात की मौत हो गई। मंलवार शाम करीब 7 बजे एक युवक अपनी गर्भवती पत्नी को मां परमेश्वरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रसव कराने के लिए लेकर पहुंचा। परिजनों के मुताबिक, उस समय अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थीं। इसके बावजूद महिला को भर्ती कर लिया गया। डॉक्टर ने नर्स और स्टॉफ को फोन पर ही डिलीवरी करने की जानकारी बताई। उसी आधार पर नर्स ने डिलीवरी किया। लेकिन अचानक से महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ ही देर में मां और नवजात दोनों की मौत हो गई। महिला और नवजात की मौत की खबर मिलते ही बुधवार सुबह परिजन और रिश्तेदार परमेश्वरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल पहुंच गए। यहां उन्होंने हंगामा करते हुए सड़क जाम कर दिया। लोगों ने डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अस्पताल को तत्काल सीज करने की मांग की।

सोनी यादव, मृतक

माहौल तनावपूर्ण होते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुलवाया गया।

बुधवार सुबह गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के बाहर हंगामा शुरू कर दिया और सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। फिर जा करके जाम खुला। घटना कोतवाली नगर क्षेत्र की है।

हॉस्पिटल में डॉक्टर नहीं थीं

बेनीगंज निवासी सुरेश यादव ने बताया- मेरी पत्नी सोनी यादव की मंगलवार को डिलीवरी होनी थी। शाम को प्रसव पीड़ा होने पर हम सोनी को लेकर महिला जिला अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां बेड खाली नहीं होने की बात कही गई। इसके बाद हम उन्हें मां परमेश्वरी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल लेकर गए। वहां डॉक्टर अंजली श्रीवास्तव मौजूद नहीं थीं। इसके बाद हम उन्हें दूसरी जगह ले जाने लगे, तो स्टॉफ ने कहा- डरिए मत, सुरक्षित डिलीवरी हो जाएगी। वहां मौजूद नर्स से डॉक्टर अंजली ने फोन पर बात की। उन्होंने फोन पर ही डिलीवरी के लिए सभी जानकारी दी। इसके बाद नर्स ने डिलीवरी करवान शुरू किया। कुछ समय बाद पत्नी की हालत गंभीर हो गई। थोड़ी ही देर में मेरे बच्चे और पत्नी की मौत हो गई।

गोंडा स्टेशन पर आरोपी हिरासत से भागा, सिपाही पकड़ने दौड़ा तो ट्रेन की चपेट में आया

चोर का पीछा कर रहे सिपाही के दोनों पैर कटे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा/लखनऊ । यूपी के गोंडा रेलवे स्टेशन पर पुलिस हिरासत से भाग रहे चोर को पकड़ने में GRP सिपाही ट्रेन की चपेट में आ गया। उसके दोनों पैर कट गए। एक पैर कटकर अलग हो गया, जबकि दूसरा खाल के सहारे लटक गया।

घटना मंगलवार रात 12 बजे की है। जख्मी होने के बाद भी सिपाही आकाश सिंह (29) ने आरोपी सुनील कुमार (35) को पकड़ लिया। चीख-पुकार सुनकर जीआरपी स्टेशन से पुलिसवाले आ गए। सिपाही आकाश को गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। प्राइमरी इलाज के बाद लखनऊ KGMU ट्रामा सेंटर रेफर

किया गया। KGMU के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा-बुधवार सुबह 4.20 बजे GRP सिपाही को लाया गया। घटना में उनके दोनों पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों पैरों को बचाया नहीं जा सका। सिपाही को ICU में रखा गया है। फिलहाल, हालत खतरे से बाहर है।

प्लेटफॉर्म पर जहां ये घटना हुई, वहां ठीक सामने जीआरपी स्टेशन था। चीख-पुकार मची तो पुलिसकर्मी दौड़कर पहुंचे। ट्रेन को रुकवाया और सिपाही को बाहर निकाला।

सिपाही के दोनों पैर कट गए। एक पैर कटकर अलग हो गया, जबकि दूसरा खाल के सहारे लटका है।

स्टेशन पर मारपीट हो रही थी, तभी आकाश पहुंचे

जीआरपी के मुताबिक, गोंडा के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर मंगलवार रात 11.30 बजे दो युवकों में मारपीट होने लगी। इसमें एक युवक ने सुनील कुमार पर जेब से पैसे चोरी करने का आरोप लगाया। मारपीट होती देख वहां ड्यूटी दे रहे सिपाही आकाश सिंह पहुंच गए। वह दोनों युवकों को पकड़कर प्लेटफार्म पर बने जीआरपी थाने तक ले आए। वहां दोनों से पूछताछ की। इसके बाद एक युवक को छोड़ दिया, जबकि दूसरे आरोपी सुनील कुमार को शक के आधार पर बैठा लिया। कुछ ही देर में प्लेटफॉर्म-1 पर लखनऊ की ओर जा रही डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस (15903) आ गई।

अयोध्या में नशेड़ी युवक ने घर में लगाई आग

अयोध्या। अयोध्या जिले के भुलईपुर निधियावां गांव में नशे के आदी एक युवक ने अपने घर में आग लगा दी। इस घटना में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया, जिससे परिवार संकट में आ गया है। यह मामला बीकापुर कोतवाली क्षेत्र की मोतीगंज पुलिस चौकी के अंतर्गत आता है। पीड़ित कलूट ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका 23 वर्षीय पुत्र भीम लंबे समय से नशे का आदी है। भीम अक्सर नशे की हालत में घर लौटता है और परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करता है। कई बार समझाने के बावजूद उसकी आदतों में कोई सुधार नहीं हुआ। घटना वाले दिन भीम नशे की हालत में घर पहुंचा और अचानक हिंसक हो गया। उसने घर के एक कमरे में रखे बिस्तर, कपड़े, अनाज और अन्य घरेलू सामान में आग लगा दी। आग तेजी से फैली और पूरे कमरे को अपनी चपेट में ले लिया। परिवार के सदस्यों ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन घर का अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया।

'उर्वरक निगरानी समिति' का किया गया गठन

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जिलाधिकारी बाराबंकी द्वारा आगामी खरीफ 2026 में कृषकों को पर्याप्त मात्रा में पारदर्शिता के साथ निर्धारित मूल्य पर सुगमतापूर्वक उर्वरक उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद/तहसील/विकास खण्ड एवं न्याय पंचायत स्तरीय ''उर्वरक निगरानी समिति'' का गठन किया गया है, जनपद स्तरीय समिति में उप कृषि निदेशक, बाराबंकी, जिला कृषि अधिकारी, बाराबंकी सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता-बाराबंकी एवं जिला गन्ना अधिकारी-बाराबंकी, तहसील स्तरीय समिति में उप जिला मजिस्ट्रेट, तहसीलदार एवं सम्बन्धित क्षेत्र के नायब तहसीलदार व सम्बन्धित विकास खण्ड/तहसील के सहायक विकास अधिकारी, कृषि/सहकारिता को विकास खण्ड स्तरीय समिति में खण्ड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी कृषि एवं सहकारिता को तथा न्याय पंचायत स्तर पर सम्बन्धित लेखपाल एवं सम्बन्धित कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारी/प्राविधिक सहायक ग्रुप-सी को नामित करते हुए टीम का गठन किया गया है। जिला कृषि अधिकारी, बाराबंकी द्वारा जनपद के समस्त विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने प्रतिष्ठान पर रेट/स्टाक बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें तथा कृषकों को उनके कृषि भूमि/खतौनी प्रति हे0 के आधार पर अधिकतम डी0ए0पी0 05 बोरी एवं यूरिया 07 बोरी की मात्रा ही दी जाए। उर्वरकों का वितरण पी0ओ0एस0 मशीन से ही किया जाए तथा कृषकों को अनिवार्य रूप से रसीद उपलब्ध करायी जाए तथा बिक्री से सम्बन्धित पूर्व विवरण कृषक का नाम, पता, मो0नं0, कृषित भूमि, फसल का नाम एवं दी गयी मात्रा, प्राप्त की गयी धनराशि आदि का अंकन अनिवार्य रूप से विक्रय रजिस्टर में अद्यतन पूर्ण किया जाए।

घेराव : बरेली में प्रिंसिपल ऑफिस में घुसकर हाथापाई, लड़कियां मारने के लिए आगे बढ़ीं

साध्वी को सेक्सी बताने वाले चीफ प्रॉक्टर को घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली कॉलेज के चीफ प्रॉक्टर ने एक साध्वी की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, लिखा- बाबी (साध्वी) भी कम सेक्सी नहीं होती। पोस्ट वायरल होने पर छात्र उग्र हो गए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यकर्ताओं ने प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया।

प्रिंसिपल ऑफिस में घुसकर प्रॉक्टर आलोक खरे के साथ हाथापाई की। छात्राएं उनको मारने के लिए आगे बढ़ीं, तो प्रॉक्टर लोगों के पीछे छुप गए। कॉलेज के स्टॉप ने किसी तरह बचाकर उन्हें वहां से निकाला। प्रिंसिपल ने हालात को

बिगड़ता देख चीफ प्रॉक्टर को पद से हटा दिया है। पूरी प्रॉक्टोरियल टीम को भंग करने का आदेश दिया है। इस विवाद की शुरुआत 19 मार्च को नवरात्रि के पहले दिन हुई। जब चीफ प्रॉक्टर आलोक खरे ने फेसबुक पर एक तस्वीर पोस्ट की। कैप्शन लिखा- केवल baba's ही थोड़े सेक्सी होते है, babi's भी कम सेक्सी नहीं होती। इस पोस्ट के वायरल होते ही छात्रों और धार्मिक संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। मामले की गंभीरता और छात्रों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए प्रिंसिपल डॉ. ओमप्रकाश राय ने आलोक खरे को चीफ प्रॉक्टर के पद से हटा दिया है। उनकी जगह वरिष्ठ प्रोफेसर इंदिवर सिंह चौहान को कॉलेज का नया चीफ प्रॉक्टर बनाया गया है।

कॉलेज स्टाफ ने किसी तरह प्रॉक्टर को बचाया

बुधवार को भारी संख्या में ABVP कार्यकर्ता प्रिंसिपल ऑफिस पहुंचे और घेराव कर नारेबाजी शुरू कर दी। चीफ प्रॉक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। जिससे वहां तनाव भरा माहौल हो गया। प्रॉक्टर के सामने आते ही गुस्साए प्रदर्शनकारी उनके साथ धक्का-मुक्की करने लगे। छात्राओं ने भी आगे बढ़कर प्रॉक्टर का घेराव किया। उन्हें पीटने की कोशिश की। इस बीच प्रॉक्टर भागकर कॉलेज स्टाफ के पीछे छिप गए। मौके पर मौजूद प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ ने किसी तरह बीच-बचाव कर चीफ प्रॉक्टर को आक्रोशित भीड़ से बाहर निकाला।

ऐसे पोस्ट करते रहे हैं प्रोफेसर

एबीवीपी ने प्रिंसिपल को सौंपे ज्ञापन में कहा- एक तरफ पूरा देश नवरात्रि में नारी शक्ति की उपासना कर रहा था, वहीं दूसरी ओर एक जिम्मेदार शैक्षणिक पद पर बैठा व्यक्ति महिला साध्वी को लेकर ऐसे कमेंट कर रहा था। आलोक खरे पहले भी सोशल मीडिया पर असामाजिक और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते रहे हैं। कॉलेज परिसर में अपने कर्तव्यों के बजाय अधिकांश समय मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं। ऐसी हरकतों से प्रतिष्ठित संस्थान की गरिमा धूमिल हो रही है।

गंगा में रोजा-इफ्तार के 14 आरोपियों की जमानत खारिज

कोर्ट बोला- ये गंभीर अपराध है, जान-बूझकर आरती के समय किया गया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में नाव हाइजैक कर नाविक का अपहरण करने के बाद गंगा में इफ्तार करने वाले 14 आरोपियों की जमानत खारिज कर दी है। आज कोर्ट में 14 आरोपी पेश हुए थे। सेशन आलोक कुमार की अदालत में सुबह साढ़े 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक बहस चली थी। दोनों पक्षों ने अपने-अपने तर्क रखे। कोर्ट ने सभी को सुना। इसके बाद 6 पन्ने का आदेश सुनाया। जिसमें सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। मुकदमा दर्ज कराने वाले भाजपा नेता के वकील नित्यानंद राय ने बताया- ये हम लोगों की बहुत बड़ी विजय है। कोर्ट ने कहा कि ये काम जान-बूझकर किया गया था। ये लोग कोई बच्चे नहीं है। सबसे बड़ी बात

तो ये है कि जिस घाट पर उन लोगों ने ये किया, वो पछंगा घाट था। और वो गंगा आरती का समय था। जगह-जगह पूजा चल रही थी। ऐसे में बीच धारा में इस तरह का कृत्य करना गंभीर अपराध है। बता दें, आरोपियों की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर जिला जज सुनवाई की। पिछले तीन दिनों से इनकी याचिका पर तारीख दी जा रही थी। अब कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों को आज कटघरे में बुलाया था।

जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत में जेल में बंद 14 आरोपियों आजाद, आमिर, दानिश, मो. अहमद, नेहाल, महफूज, अनस, अव्वल, तहसीम, मो. अहमद, नूर इस्माइल, तौसीफ, फैजान और समीर के अपराध पर वकील के साथ पेश होने को कहा था।

बता दें कि काशी में सोमवार (16 मार्च) को गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी की गई थी। इसमें आयोजकों ने रोजेदारों को फल और मेवे के साथ चिकन बिरयानी भी परोसी थी। इफ्तार पार्टी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया था।

बागपत में बाबू से कहा था- पैसे दो वरना चौकीदारी करवाऊंगा, मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही

15 हजार रिश्वत लेने वाला मुख्य गन्ना अधिकारी हुआ गिरफ्तार

आरोप

टीम ने बताया- आरोपी अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत गन्ना तौल लिपिक विशेष कुमार की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है।

मेरठ की 7 सदस्यीय एंटी करप्शन टीम ने मुख्य गन्ना अधिकारी राजदीप बालियान को उनके कार्यालय से रंगेहाथ पकड़ा।

> लिपिक विशेष कुमार ने बताया- मुख्य गन्ना अधिकारी राजदीप पैसे लेकर ही कर्मचारियों को मनपसंद पोस्टिंग देते हैं।

लिपिक विशेष कुमार की शिकायत पर एंटी करप्शन की टीम ने कार्रवाई की है।

शिकायतकर्ता विशेष कुमार ने बताया- उन्होंने मुख्य गन्ना अधिकारी राजदीप बालियान से गन्ना माप-तौल केंद्र पर ड्यूटी लगाने की मांग की थी। लेकिन राजदीप ने उनसे 15 हजार की रिश्वत मांगी। धमकी दी थी- अगर पैसे नहीं दिए तो नौकरी गन्ना मिल के गेट पर लगा दूंगा। तुझसे चौकीदारी करवाउंगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

बागपत । बागपत में बुधवार को कोऑपरेटिव शुगर मिल के मुख्य गन्ना अधिकारी (CCO) राजदीप बालियान को 15 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। गन्ना तौल लिपिक ने राजदीप बालियान पर गन्ना क्रय केंद्र पर ड्यूटी लगाने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। लिपिक विशेष कुमार ने इस संबंध में मेरठ एंटी करप्शन टीम से शिकायत की थी। शिकायत के बाद टीम ने जाल बिछाया और मुख्य गन्ना अधिकारी को उनके कार्यालय से रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़ा। राजदीप बालियान को खींचते हुए एंटी करप्शन टीम कोतवाली ले गई, जहां उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। विभागीय कर्मचारियों ने बताया- एक साल पहले भी मुख्य गन्ना अधिकारी के खिलाफ लिपिक विशेष कुमार ने ही घूसखोरी और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया था। विशेष कुमार ने आरोप लगाया था कि राजदीप बालियान पैसे लेकर अपने पसंदीदा कर्मचारियों को मनपसंद तौल केंद्र पर ड्यूटी देते हैं। पैसे न देने पर प्रताड़ित करते हैं।

सिविल ड्रेस में पहुंची एंटी करप्शन टीम

बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे मेरठ से एंटी करप्शन की 7 सदस्यीय टीम डीएम कार्यालय से 4 किलोमीटर दूर गन्ना मिल में स्थित मुख्य गन्ना अधिकारी के कार्यालय पहुंची। टीम सिविल ड्रेस में थी। टीम ने मुख्य गन्ना अधिकारी को रंगे-हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। दोपहर करीब 1:30 बजे जैसे ही विशेष कुमार ने राजदीप को 15 हजार रुपए थमाए, वैसे ही टीम ने रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद टीम उन्हें पकड़कर कोतवाली ले गई। फिलहाल टीम कोतवाली में आरोपी से पूछताछ कर रही है। इसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर टीम उन्हें मेरठ ले जाएगी।

मथुरा में नशीले पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई

180 ग्राम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मगोर्रा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को अवैध नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को रात्रि करीब 10:15 बजे थाना मगोर्रा क्षेत्र के जाजमपट्टी सर्विस रोड पर जाजनपट्टी की ओर लगभग 100 मीटर दूरी पर पुलिस टीम गश्त पर थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस ने दिनेश उर्फ भुल्ली पुत्र सौरन निवासी नगला नारायण सिंह भाग, कोसीखुर्द थाना मगोर्रा, जनपद मथुरा (उम्र करीब 41 वर्ष) को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 180 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना मगोर्रा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पूर्व में मु0अ0सं0 101/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज है।

फास्ट न्यूज

घर में बड़ी संख्या में नहीं जुटाएंगे नमाजी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली में घर के भीतर नमाज अदा करने से रोकने को लेकर दाखिल याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने नमाज के नाम पर घर में भीड़ जुटाने पर आपत्ति जताते हुए याची से ऐसा नहीं करने की अंडरटेकिंग ली। कोर्ट ने कहा याची अंडरटेकिंग का उल्लंघन करता है और दोबारा भीड़ जुटाता है, जिससे इलाके की शांति व कानून-व्यवस्था को खतरा पैदा होता है तो बरेली प्रशासन व पुलिस कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं।

प्रयागराज में ननद-भाभी एक साथ पीसीएस अफसर बनीं

प्रयागराज/जौनपुर। प्रयागराज की आकृति शुक्ला ने 2 बार यूपीपीसीएस की परीक्षा दी। दोनों बार प्रीलिम्स से ही बाहर हो गईं। इस दौरान उनके भाई अमित की शादी हुई। भाभी श्रेया शर्मा घर आ गईं। वह भी यूपीपीसीएस की तैयारी कर रही थीं। अब दोनों एक-दूसरे का सहारा बनीं। आकृति के जो सब्जेक्ट कमजोर थे, उनमें श्रेया ने मदद की और जो सब्जेक्ट श्रेया के कमजोर थे, उसमें आकृति मदद करने लगी। सास-ससुर ने भी बहू को बेटी की तरह समझा। आकृति और श्रेया को घर के कामों से फ्री रखा।

चाइनीज मंझे ने स्कूटीसवार का गला रेता

प्रयागराज। प्रयागराज में चाइनीज मंझे का कहर जारी है। मंगलवार को तीन दिन के भीतर दूसरी घटना हुई। इसमें स्कूटीसवार का गला चाइनीज मंझे की चपेट में आने से कट गया। उसे अस्पताल में ले जाया गया जहां टांके लगने के बाद हालत सामान्य हुई। लगातार हो रही घटनाएं पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल भी खड़े करती हैं।

कोतवाली के सामने दुकान जलकर खाक, 20 लाख का नुकसान

मथुरा में भीषण आग का कहर

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। शहर कोतवाली के सामने स्थित डोरी-पत्तल की एक दुकान में देर रात अचानक भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दुकान से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और धुएं के गुबार से पूरा आसमान भर गया। घटना स्थल कोतवाली से महज 200 मीटर की दूरी पर होने के कारण आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल दमकल विभाग को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। दुकान में डोरी, प्लास्टिक की रस्सियां और सूखे पत्तलों जैसे ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक दुकान में रखा करीब 20 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो चुका था।

बुलंदशहर में शराब पिलाकर पीटा, सिर कूचकर दफनाया, डेढ़ साल पहले हुई थी शादी

ट्रांसजेंडर ने दोस्तों से करवाई युवक की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर में ट्रांसजेंडर ने एक युवक की उसी के तीन दोस्तों से हत्या करवा दी। युवक को फोन करके बुलाया। पहले शराब पिलाई, फिर लाठी-डंडे और लात-घूंसे से पीट-पीटकर मार डाला। पहचान छिपाने के लिए ईंट से सिर कूचकर शव को जंगल में दफना दिया।

घटना मंगलवार रात की है। 24 घंटे में पुलिस ने इसका खुलासा करते हुए ट्रांसजेंडर समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का एक सीसीटीवी भी बरामद हुआ है, जिसमें हत्या से एक रात पहले युवक को उसके एक हत्यारोपी दोस्त के साथ रेलवे लाइन के किनारे घूमते देखा गया है। पुलिस ने बताया- युवक का ट्रांसजेंडर के साथ अफेयर चल रहा था। युवक के दोस्त का भी ट्रांसजेंडर के साथ अफेयर था। यह बात पता चलते ही युवक ने विरोध करना शुरू कर दिया। युवक से पीछा छुड़ाने के लिए ही ट्रांसजेंडर ने उसके तीनों दोस्तों से हत्या करवा दी। युवक के लापता होने पर परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। सीसीटीवी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने शव को बरामद करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र की है। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर सिकंदराबाद के बिलसूरी गांव निवासी साक्षर कौशिक (24) का शव जंगल से बरामद हुआ था। ट्रांसजेंडर अमन उर्फ अवंतिका (30) ने 3 दोस्तों देवेश, (25) दीपक, (23) शुभम (26) के साथ मिलकर हत्या की थी। पुलिसन ने चारों को गिरफ्तार कर लिया है।

साक्षर, मृतक

> एसपी सिटी शंकर प्रसाद ने बताया केस दर्ज किया आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अमन वहां पहले से मौजूद दीपक और शुभम के साथ मिलकर चारों ने साक्षर की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसके शव को पास के ही एक बगीचे में गड्ढा खोदकर दबा दिया गया।

आरोपी ने कबूल किया जुर्म

पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या कर शव को जमीन में गाड़ने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने दो दोस्तों दीपक और शुभम के साथ मिलकर चंदेरु गांव स्थित बाग में शराब पार्टी की थी। पार्टी के दौरान साक्षर से विवाद हो गया, जिसके बाद तीनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। शव को जमीन में दबा दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मौके पर पहुंचकर खुदाई कर शव को बरामद किया। घटना की सूचना मिलते ही नगर और सिकंदराबाद पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

हाईटेक निगरानी व्यवस्था शुरू

70 स्थानों पर एएनपीआर कैमरों से होगी वाहनों की ट्रैकिंग

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन परिसर में बनाए गए सीसीटीवी निगरानी के यूनिफाइड हाईटेक कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत भी मौजूद रहे। निरीक्षण के साथ ही यह अत्याधुनिक कंट्रोल रूम आज से पूर्ण रूप से क्रियाशील हो गया है।

जनपद में Vacmet India Limited की CSR गतिविधि के अंतर्गत लगभग 1.25 करोड़ रुपये की लागत से यह परियोजना तैयार की गई है। इसके तहत जिले के बॉर्डर मार्गों और प्रमुख चौराहों सहित 48 स्थानों पर कुल 192 ANPR (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरे लगाए गए हैं, जबकि 22 स्थानों पर पहले से 88 कैमरे स्थापित हैं। इस प्रकार अब कुल 70 स्थान कैमरों की निगरानी में आ गए हैं।

यह हाईटेक सिस्टम वाहनों की नंबर प्लेट को पढ़कर उसका डाटा सुरक्षित करता है और यह जानकारी देता है कि कोई वाहन जिले में कब और कितनी बार कहां-कहां से गुजरा। साथ ही वाहन के रंग, मेक और मॉडल के आधार पर भी उसे आसानी से सर्च किया जा सकता है। कंट्रोल रूम में सभी कैमरों की लाइव विजिबिलिटी और बैकअप उपलब्ध रहेगा, जिसमें दो महीने तक का डाटा स्टोर किया जा सकेगा।

पुलिस के अनुसार, इस व्यवस्था से अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। हिट एंड रन मामलों में वाहनों की पहचान आसान होगी, चोरी के वाहन जल्दी पकड़े जा सकेंगे और ट्रैफिक जाम की स्थिति में समय रहते अलर्ट मिलने से श्रद्धालुओं के आवागमन को भी सुगम बनाया जा सकेगा।

> इन कैमरों में ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान, 95-99 प्रतिशत तक सटीकता, रियल-टाइम प्रोसेसिंग, दिन-रात कार्य करने की क्षमता, मल्टी-लेन ट्रैकिंग और डेटाबेस इंटीग्रेशन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया गया है।

पत्नी-मौसेरे भाई को काटने वाले पति को फांसी की सजा

आगरा में पिता और छोटा भाई भी दोषी, 1 मिनट में 22 फरसे मारे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में पत्नी और मौसेरे भाई को फरसे से काटने वाले पति समेत 3 लोगों को फांसी की सजा हुई है। कोर्ट ने पति के छोटे भाई और पिता को भी हत्या का दोषी माना है। तीनों पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, सबूतों की कमी के चलते उसकी मां को बरी कर दिया है। एडीजे-26 अमरदीप ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। पूरा मामला 4 साल पहले 2022 का है, जहां एत्माद्दौला में अवैध संबंध के शक में गौरव ने अपनी पत्नी पूजा और मौसेरे भाई शिवम को फरसे से काट डाला था। इस डबल मर्डर में पिता मदन और छोटे भाई अभिषेक ने गौरव का साथ दिया था। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया था, जो कोर्ट में अहम सबूत साबित हुआ। पिता-बेटों ने पहले पूजा और शिवम को गली में दौड़ा-दौड़ाकर डंडों से पीटा। दोनों जब जमीन पर गिर पड़े तो फरसे से उनके गले काट दिए थे। पूजा के देवर ने शिवम को 1 मिनट में 22 बार फरसे मारे थे। पुलिस को पूजा की लाश घर के दरवाजे पर, जबकि शिवम की लाश गली में पड़ी मिली थी। पत्नी पूजा का मर्डर करने के बाद पति गौरव उसके शव के पास बैठकर रोता रहा। वहीं, ससुर और देवर ने एत्माद्दौला थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया था।

कोर्ट में 14 गवाह पेश हुए

एडीजीसी मोहित पाल ने बताया कि इस मामले में 14 गवाह कोर्ट में पेश किए गए। इनमें सबसे अहम गवाही शिवम के भाई अभिषेक की रही। वहीं हत्या का CCTV भी अहम सबूत साबित हुआ। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एडीजे-26 अमरजीत ने तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई। कोर्ट में सजा सुनाए जाने के बाद भी तीनों दोषियों के चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। कोर्ट से बाहर निकलते समय मीडिया के पूछने पर आरोपी ने कहा कि वो हाईकोर्ट में अपील करेंगे। उन्हें न्याय पर भरोसा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'यूपी से कूड़े की ...

और रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार हुआ। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि प्रदेश में 2017 के पहले सत्ताधारी दलों को अंधेरा पसंद था, लेकिन हम सूर्य के उपासक हैं और सूर्यवंशी श्रीराम के अनुज लक्ष्मणजी के नाम पर लक्ष्मणपुरी में विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट, विशेषकर मेट्रो संचालन में अग्रणी बनकर उभरा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा-ग्रेटर नोएडा सहित 7 शहरों में मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के कारण यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केवल लखनऊ में ही प्रतिदिन लगभग एक लाख लोग मेट्रो से यात्रा कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि जनता को सुविधा चाहिए और उसे उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, जिसे सरकार प्रभावी ढंग से निभा रही है। इलेक्ट्रिक बस सेवा का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सिटी बस सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसों में बदला जा रहा है। शहरों को आपस में जोड़ने और सैटेलाइट सिटी को कनेक्ट करने के लिए भी इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। लखनऊ में अशोक लीलैंड की इलेक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू हो चुकी है। साथ ही 15 अप्रैल से टाटा की लखनऊ स्थित ऑटोमोबाइल यूनिट में भी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माण को आगे बढ़ाया जाएगा।

डबल इंजन सरकार ...

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से वर्ष 2017 में हमने स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया। पहले हैलोजन की पीली लाइटें होती थीं, जो अधिक ऊर्जा खपत करती थीं, बदरंग दिखती थीं और कीड़े-मकोड़ों के कारण उनके नीचे खड़ा होना भी मुश्किल होता था। पिछली सरकारों के लिए यह व्यवस्था इसलिए सुविधाजनक थी, क्योंकि उन्हें बिजली देनी ही नहीं थी। जिनकी आदत डकैती डालना था, उनके लिए अंधेरा ठीक था। लेकिन हमारी सरकार ने तय किया कि बिना भेदभाव के 24 घंटे बिजली मिले और शहर की लाइटिंग भी एक समान, बेहतर और आधुनिक हो। इसी सोच के तहत पूरे शहर को एलईडी लाइटों से "दूधिया रोशनी" में बदलने का कार्य किया गया, ताकि हर नागरिक को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके और अंधेरे की संस्कृति को समाप्त कर सभ्यता और विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

अब बाहर से आने...

पिछले 9 वर्षों में लखनऊ ने स्वच्छता रैंकिंग के साथ-साथ हर क्षेत्र में विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। शहर का दायरा बढ़ा है, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है, मेट्रो संचालन शुरू हुआ है और सड़कों के चौड़ीकरण, जल निकासी तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। आज लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के एक उभरते हब के रूप में भी स्थापित हो चुका है।

पीएम ने सुरक्षा पर ...

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, PM के प्रमुख सचिव पी.के. मिश्रा और शक्तिकांत दास और कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन भी मीटिंग में शामिल हुए। इस दौरान आम लोगों की जरूरी जरूरतों जैसे खाद्य, LPG और पेट्रोल-डीजल उपलब्धता पर चर्चा की गई। पिछले 10 दिनों के भीतर CCS की यह दूसरी मीटिंग है। इससे पहले 23 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने CCS मीटिंग की अध्यक्षता की थी। इसमें भारत पर पश्चिम एशिया में संघर्ष के प्रभाव को कम करने के उपायों का आकलन किया गया था।

PM ने कहा था कि यह समस्या लगातार बढ़ रही है और पूरी दुनिया इससे प्रभावित हो रही है। उन्होंने निर्देश दिया था कि सरकार के सभी विभाग मिलकर काम करें ताकि आम लोगों को कम से कम परेशानी हो।

ईरान ने बहरीन में ...

फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा कि सिविल डिफेंस की टीम एक कंपनी की फैसिलिटी में लगी आग बुझाने में जुटी है। हालांकि मंत्रालय ने कंपनी का नाम नहीं बताया।

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब एक दिन पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने मिडिल ईस्ट में काम कर रही 18 अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाने की धमकी दी थी। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, गूगल, मेटा जैसी कंपनियां शामिल हैं।

कालाबाजारी : दिल्ली ...

अंकित ने बिना किसी हिचक के साफ कर दिया 913 रुपये में मिलने वाला घरेलू सिलेंडर यहां 4300 रुपये में बेचा जा रहा है. यानी सरकारी कीमत से करीब 5 गुना ज्यादा वसूली, वो भी पूरे रौब और दबंगई के साथ. अंकित छोटे सिलेंडरों में घरेलू गैस भरकर कालाबाजारी का पूरा नेटवर्क चला रहा है. एलपीजी की किल्लत का फायदा उठाकर ये गोरखधंधा धड़ल्ले से चल रहा है. आजतक की टीम ने कालाबाजारी के इस गोरखधंधे का पर्दाफाश करने के लिए एक खाली सिलेंडर लिया और निकल पड़ी असली तस्वीर दिखाने. हम अंकित की दुकान पर पहुंचे तो वहां एक गरीब मजदूर मजबूरी में 4300 रुपये नकद देकर सिलेंडर खरीदता दिखा.

अमरावती को आंध्र ...

उन्होंने FCRA बिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज FCRA बिल पर लोकसभा में बहस नहीं होगी। यह बिल विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून में संशोधन से जुड़ा है, जिसे 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। इसमें विदेशी फंडिंग से जुड़े नियमों को और स्पष्ट और सख्त करने का प्रस्ताव है, ताकि NGO को मिलने वाले विदेशी चंदे में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाई जा सके।

कांग्रेस के राजकुमार ...

इधर, असम के डिब्रूगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- असम में डबल गुलामी वाली सरकार है, एक भ्रष्ट सरकार है। हम देख सकत हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज और सिंडिकेट राज है। TMC ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के पास लगातार दूसरे दिन अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया। पार्टी का आरोप है कि फॉर्म 6 आवेदन जमा करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। चुनाव आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल चुनाव के बशीरहाट में बरुनहाट रामेश्वरपुर ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 30 पर 125 लोगों के नाम कटने पर स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने नादिया जिले के हंसखाली ब्लॉक के ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर (BDO) सयंतन भट्टाचार्य को सस्पेंड करने के आदेश दिए।

प्रियंका बोलीं- असम...

यहां माफिया राज है, सिंडिकेट राज है। मुझे लगता है कि लोग थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि वही असम फिर से उभरे जो कभी हुआ करता था। वे एक ऐसी नई सरकार चाहते हैं जो सिर्फ लोगों की सेवा के लिए काम करे। लोग जानते हैं कि हमारे नेता ईमानदार हैं और वे उन्हें आगे लाना चाहते हैं।

सबसे बड़ी मुकदमेबाज...

जस्टिस नागरत्ना ने कहा, ₹हमें समझ नहीं आ रहा कि भारत सरकार ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को चुनौती क्यों दी है। हम बातें सुनते हैं कि मामले लंबित हैं। आखिर सबसे बड़ा मुकदमेबाज कौन है? हर्जाना लगाया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि अगर उच्च न्यायालय ने इसे अनुचित पाया और सभी आदेशों को रद्द करते हुए राहत प्रदान की, तो हम उच्चतम न्यायालय न जाएं?

खेल

लगातार तीसरी बार क्वालिफायर राउंड से बाहर, 11 जून से है टूर्नामेंट

चार बार का चैंपियन नहीं खेल पाएगा इटली फीफा वर्ल्डकप

नई दिल्ली, एजेंसी

इटली लगातार तीसरी बार FIFA वर्ल्ड कप में जगह बनाने से चूक गया। वर्ल्ड कप के यूरोपियन क्वालिफायर्स के फाइनल में उसे बोस्निया और हर्जेगोविना के हाथों पेनल्टी शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा।

शूटआउट में इटली की टीम दबाव में बिखर गई। पियो एस्पोसिटो और ब्रायन क्रिस्टांटे अपने पेनल्टी मिस कर बैठे, जबकि बोस्निया के एस्मिरा बाजराक्टरेविक ने निर्णायक गोल कर टीम को ऐतिहासिक जीत

हार के बाद निराश इटली के स्ट्राइकर पियो एस्पोसिटो।

दिलाई। पेनल्टी शूटआउट में बोस्निया ने 4 और इटनी ने 1 गोल किया। हार के बाद इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनजोला ने कहा, हमें अब भी यकीन नहीं हो रहा है कि हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और यह सब इस तरह से हुआ है।

फीफा वर्ल्ड कप अगले साल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में खेला जाएगा। यह वर्ल्ड कप का 23वां एडिशन होगा। इसके मुकाबले 16 शहरों में खेले जाएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और मेजबानी एक साथ तीन देश कर रहे हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप जे में रखा गया है। स्पेन ग्रुप एच में है, फ्रांस ग्रुप आई में, जर्मनी ग्रुप ई में, पुर्तगाल ग्रुप के में और इंग्लैंड ग्रुप एल में है। ग्रुप एच, आई, जे, के और एल को ग्रुप ऑफ डेथ माना जा रहा है, क्योंकि इनमें मजबूत टीमें हैं। स्पेन के ग्रुप में उरुग्वे और सऊदी अरब जैसी टीमें हैं, जिन्होंने पिछले वर्ल्ड कप में कई उलटफेर किए थे। फ्रांस के ग्रुप में सेनेगल और नॉर्वे जैसी अच्छी टीमें हैं।

फुल टाइम तक मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

यूरोपियन क्वालिफायर्स का फाइनल आज जेनिका में खेला गया। चार बार की वर्ल्ड चैंपियन इटली के लिए शुरुआत अच्छी रही। मुकाबले के 15वें मिनट में मोइसे कीन ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, पहले हाफ के अंत से पहले ही डिफेंडर एलेसांद्रो बास्तोनी को रेड कार्ड मिल गया, जिससे इटली 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने को मजबूर हो गया। दूसरे हाफ में बोस्निया ने इसका फायदा उठाया और 79वें मिनट में हारिस तबकोविच ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फुल टाइम और एक्स्ट्रा टाइम में कोई टीम बढ़त नहीं बना सकी, जिसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया।

प्रसिद्ध के इम्पैक्ट पर भारी पड़े कोनोली, अर्शदीप का सबसे लंबा ओवर

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले साल की उपविजेता पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से भले ही हराया हो, लेकिन 'इम्पैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरे प्रसिद्ध कृष्णा (3/29) की शानदार गेंदबाजी ने एक समय एकतरफा दिख रहे इस मुकाबले को रोमांचक बना दिया था।

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले 163 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम 12 ओवर में दो विकेट पर 110 रन बनाकर आसान जीत की ओर बढ़ रही थी, लेकिन प्रसिद्ध ने अपने शुरुआती दो ओवर में ही श्रेयस अय्यर, शशांक सिंह और मार्कस स्टोइनिस को आउट कर पंजाब को मुश्किल में ला दिया था।

प्रसिद्ध ने इन दो ओवर में केवल 6 रन खर्च किए और तीन विकेट झटके। हालांकि एक छोर पर डेब्यू कर रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कोनोली जमे रहे और जीत दिलाकर ही लौटे। पंजाब ने 19.1 ओवर में सात विकेट पर जीत दर्ज की।

कोनोली ने अपने आईपीएल डेब्यू को यादगार बनाते हुए 44 गेंदों में शानदार 72 रन की पारी खेली। प्रियांश आर्या के जल्द आउट होने के बाद आए कोनोली ने प्रभसिमरन (37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। दोनों ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। एक छोर से गिर रहे विकेटों के बावजूद कोनोली ने संयम नहीं खोया और एक छोर पर डटे रहे। कूपर कोनोली ने पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

मैक्सवेल-रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर

वेदराल्ड-नेसर को मौका, 21 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड (CA) ने 2026-27 सीजन के लिए 21 खिलाड़ियों की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी कर दी है। इस कॉन्ट्रैक्ट में खासतौर पर टेस्ट और मल्टी-फॉर्मेट खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। इस लिस्ट में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, लांस मॉरिस और रिटायर हो चुके उस्मान ख्वाजा को कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी मौका नहीं मिला। रिचर्डसन को तो पिछली बार ही कॉन्ट्रैक्ट मिला था, लेकिन एक साल के भीतर ही उन्हें बाहर कर दिया गया। वहीं ओपनर जैक वेदराल्ड और तेज गेंदबाज माइकल नेसर को

टीम में शामिल किया गया है। नेसर ने हालिया एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके चलते उन्हें इस बार कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में जगह मिली है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया मेंस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2026-27

जेवियर बार्टलेट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, ब्रेंडन डॉगेट, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जैक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया टीम अगले 12 महीनों में कुल 15 टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें बांग्लादेश के खिलाफ घर पर 2 टेस्ट, साउथ अफ्रीका दौरे पर 3 टेस्ट, न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर 4 टेस्ट और भारत दौरे पर 5 टेस्ट मैच शामिल हैं। इसके अलावा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) पर 150वीं वर्षगांठ का एक खास टेस्ट भी खेला जाएगा।

डेब्यू मैच में कूपर कोनोली की फिफ्टी, विजयकुमार वैशाख ने 3 विकेट लिए

पंजाब ने गुजरात को 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के चौथे मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 3 विकेट से हरा दिया। मुल्लांपुर में मंगलवार को PBKS ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। GT ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। पंजाब ने 19.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल किया।

डेब्यू मैच खेलने उतरे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने पंजाब से फिफ्टी लगाई। उनकी पारी ने ही टीम को जीत दिलाई। विजयकुमार वैशाख ने 3 और युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट लिए। गुजरात से शुभमन गिल ने 39 और जोस बटलर ने 38 रन बनाए।

प्रसिद्ध कृष्णा को 3 विकेट मिले।

पंजाब ने 109 रन तक 2 ही विकेट गंवाए थे। यहां प्रसिद्ध बॉलिंग करने आए, उन्होंने 2 ओवर में 3 विकेट झटक लिए। पंजाब ने 118 रन तक 6 विकेट गंवा दिए। 144 पर 7वां विकेट भी गिर गया। यहां से कोनोली आखिर तक टिके रहे और टीम को जीत दिला दी। कोनोली ने 72 रन बनाए।

18वें ओवर में पंजाब ने 7वां विकेट भी गंवा दिया। अशोक शर्मा ने ओवर की चौथी बॉल ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर स्लोअर फेंकी। मार्को यानसन ने शॉट खेला, लेकिन कवर्स पोजिशन पर कैच हो गए। उन्होंने 10 गेंद पर 9 रन बनाए। 16वें ओवर में कूपर कोनोली ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने कगिसो रबाडा के खिलाफ ओवर की पहली ही गेंद पर चौका लगाया और 34 गेंद पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। मार्को यानसन उनके साथ पिच पर मौजूद रहे।

कूपर कोनोली ने विनिंग शॉट लगाया

20वें ओवर की पहली गेंद पर कूपर कोनोली ने वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ चौका लगाया। इसी के साथ उन्होंने टीम को 3 विकेट के करीबी अंतर से जीत दिला दी। वे 72 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उनके सामने जैवियर बार्टलेट ने 5 गेंद पर 11 रन बनाए।

प्रसिद्ध कृष्णा को 13वें ओवर में पहली बार गेंदबाजी मिली।

प्रसिद्ध को दूसरा विकेट

पंजाब किंग्स ने 3 ओवर में 3 विकेट गंवा दिए। 15वें ओवर की दूसरी बॉल प्रसिद्ध कृष्णा ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। शशांक सिंह डिफेंड करने गए, लेकिन कॉट बिहाइंड हो गए। वे 4 रन ही बना सके। पंजाब ने 14वें ओवर में नेहल वाधेरा और 13वें ओवर में श्रेयस अय्यर का विकेट भी गंवाया।

मनोरंजन

टाइट सिक्योरिटी के बावजूद भीड़ ने घेरा, धक्का-मुक्की के बीच बाहर निकलने में करनी पड़ी मशक्कत

प्रेसिडेंट कप का उद्घाटन करने पहुंचे सलमान खान

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान मंगलवार को टेनिस टूर्नामेंट प्रेसिडेंट कप 2026 का उद्घाटन करने पहुंचे थे। ये इवेंट मुंबई के थाणे स्थित दादोजे कोंडदेव स्टेडियम में आयोजित हुआ था, जहां महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। हालांकि एक्टर की मौजूदगी से भीड़ बेकाबू हो गई और एक्टर भीड़ में फंस गए। सलमान को कार तक पहुंचाने में उनकी सिक्योरिटी टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी है।

सलमान खान फिल्म मातृभूमि

जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का टाइटल पहले बैटल ऑफ गलवान रखा गया था, हालांकि कुछ लोगों की आपत्ति होने के बाद विवाद से बचने के लिए फिल्म का टाइटल मातृभूमि कर दिया गया है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है।

स्टेडियम के गेट से निकलते हुए भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके बाद सिक्योरिटी टीम को एक्टर को कार तक पहुंचाने में काफी दिक्कत हुई।

सलमान खान इवेंट में लिनेन ब्राउन शर्ट और ग्रे बैगी जींस पहने पहुंचे थे।

एक्टर ने महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के साथ टूर्नामेंट ट्रॉफी रिवील की।

मोहम्मद रफ़ी ने फ्री में गाए थे 52 साल पुरानी फिल्म के गाने

गरीब दोस्त के लिए दिखाई थी दरियादिली

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय गायकों में मोहम्मद रफी का नाम भी शामिल रहता है। बेशक रफी साहब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा गाए गए शानदार गीतों को आज भी श्रोता सुनना पसंद करत हैं।

यूं तो सिनेमा जगत में मोहम्मद रफी से जुड़े कई रोचक किस्से मौजूद हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक फिल्म ऐसी भी, जिसके लिए रफी साहब ने फ्री में गाने गाए थे। आइए जानते हैं कि वह कौन सी मूवी थी और उन्होंने आखिर ऐसा क्यों किया था। रफी साहब न सिर्फ एक महान सिंगर थे, बल्कि इंसानियत का फरिश्ता भी माने जाते थे। उन्होंने लव इन बॉम्बे के लिए फ्री में गाने गाए और कर्ज में डूबे अपने दोस्त का साथ दिया। इस मूवी का रानी नाचो... रफी साहब ने बिना कोई रकम लिए गाया था।

रफी साहब ने गाए फ्री में गाने

बात 1971 की है, जब सुपरस्टार जॉय मुखर्जी फिल्म लव इन बॉम्बे बना रहे थे। इस मूवी के लिए जॉय ने अपनी सारी पूंजी लगा दी। लेकिन उनको सबसे झटका तब लगा, जब फिल्म पूरी बनने के बाद डिब्बा बंद हो गई और जॉय मुखर्जी की आर्थिक हालत खराब होने लगी। इस बुरे वक्त में मोहम्मद रफी ने अपने दोस्त जॉय का साथ दिया।

ठुकराने वाले थे 4000 करोड़ की फिल्म का ऑफर?

बेटी राहा के पड़े कदम खुल गई पापा रणबीर कपूर की किस्मत

नई दिल्ली। रणबीर कपूर को पहली बार पर्दे पर 'श्रीराम' के किरदार में देखने के लिए फैंस काफी समय से बेचैन हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म से रणबीर के कई लुक लीक हुए थे, जिसने उनके चाहने वालों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया था।

हालांकि, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि शुरुआत में रणबीर कपूर ने 'रामायण' में भगवान राम का किरदार रिजेक्ट कर दिया था, लेकिन बेटी राहा के जन्म ने उनके इस फैसले को बदल कर रख दिया। यह कैसे हुआ? नीचे पढ़ें पूरी डिटेल्सः

रणबीर ने बताया कि जब उनके पास 'रामायण' का ऑफर दोबारा आया, उसी दौरान उन्हें पिता बनने की खुशी मिली। अभिनेता ने कहा, ₹मेरा जो डर था, वह ग्रेटिट्यूड (आभार) में बदल गया, क्योंकि इस तरह के अवसर की मेरी जिंदगी में बहुत ज्यादा जरूरत थी। मैं अपनी जिंदगी के एक ऐसे पड़ाव पर आ गया था, जहां मुझे अपनी लाइफ और जीने के तरीके को बदलना जरूरी था। मैं पहली बार पिता बना था। मुझे लगता है कि भगवान राम की भूमिका निभाना और पिता बनना मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

आपको बता दें कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर साल 2022 में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों ने अभिनेता के बांद्रा स्थित घर 'वास्तु' में ही फैमिली और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। बेटी राहा का जन्म उसी साल नवंबर में हुआ था।

'श्रीराम' बनने से घबरा रहे थे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' की बीते दिनों लॉस एंजेलिस में स्क्रीनिंग हुई थी, जहां इस माइथोलॉजिकल फिल्म का एक छोटा सा टीजर फैंस को दिखाया गया। टीजर देखकर ऑडियंस ने रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) की खूब तारीफ की। लॉस एंजेलिस में फिल्म की पहली झलक दिखाने के बाद पूरी टीम 'रामायण' के प्रमोशन के लिए न्यूयॉर्क पहुंची, जहां उन्होंने एक इवेंट किया। इसी इवेंट में बातचीत के दौरान रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में 'रामायण' का ऑफर ठुकरा दिया था। एक्टर ने कहा,₹मुझे याद है निर्माता नमित मल्होत्रा ने 4 साल पहले मुझे इस पार्ट का ऑफर दिया था और मैंने तुरंत इसके लिए मना कर दिया था। मैंने बोला था कि मैं इसके लिए फिट नहीं हूं, इस रोल के लिए सही नहीं हूं और मुझे नहीं लगता कि मैं इसके साथ पूरा न्याय कर पाऊंगा।

बेटी राहा ने बदला था रणबीर कपूर का माइंड ये बड़ी गलती करने से बच गए थे रणबीर कपूर

सासू मां डिंपल कपाड़िया संग महाकाल के दर्शन करने पहुंचे अक्षय कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार अक्षय कुमार हर किसी के फेवरेट माने जाते हैं। मौजूदा समय में अक्की का नाम अपकमिंग फिल्म भूत बंगला को लेकर चर्चा में बना हुआ है। इस बीच हॉरर कॉमेडी की रिलीज से पहले अक्षय अपनी सासू मां और वेटरन एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया के साथ मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर दर्शन करने पहुंचे हैं। इस मौके के फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार सामने आ रहे हैं। इसके साथ ही अक्षय कुमार ने बताया है कि महाकाल से उन्होंने देश के लिए दुआ मांगी है।

अक्षय कुमार हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के उन चुनिंदा अभिनेताओं में से एक हैं, जो भगवान शिव की भक्ति में लीन रहते हैं। कई मौके पर वह महाकालेश्वर के दर्शन करते हुए नजर आए हैं। बुधवार 1 अप्रैल को एक बार फिर से अक्की ने उज्जैन नगरी का राजाधिराज बाबा महाकाल के दरबार में शीश झुकाया है। इस

दौरान अक्षय के साथ उनकी सासू मां डिंपल कपाड़िया मौजूद रहीं।

डिंपल कपाड़िया और अक्षय कुमार के महाकालेश्वर मंदिर दर्शन के लेटेस्ट वीडियो को समाचार एजेंसी एएनआई ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर शेयर किया है। इस दौरान जब अक्की से महाकाल आकर इस मामले में प्रार्थना करने को पूछा तो उन्होंने कहा- यहां आकर मैंने अपने देश, परिवार और हर किसी के लिए दुआ मांगी। हमारा देश हमेशा आगे बढ़ता रहे और तरक्की करता रहे।

इस तरह से अक्षय कुमार ने देशप्रेम को लेकर नई मिसाल कायम की है। सोशल मीडिया पर अक्षय और डिंपल की महाकाल मंदिर की लेटेस्ट फोटो वीडियो तेजी से वायरल हो रही हैं।

जबरन गाड़ी में खींचकर ले गए, अमेरिकी दूतावास ने इराक न जाने की सलाह दी थी

बगदाद में बीच सड़क से किया अमेरिकी पत्रकार का अपहरण

किडनैप

बगदाद, एजेंसी

अमेरिका की फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन का मंगलवार को इराक की राजधानी बगदाद में अपहरण कर लिया गया। अज्ञात हमलावरों ने शैली को अल-सादून स्ट्रीट पर स्थित बगदाद होटल के पास से अगवा किया।

इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें अपराधी, पत्रकार को जबरन गाड़ी में खींचकर ले जाते नजर आ रहे हैं।

इराक के गृह मंत्रालय ने भी घटना की पुष्टि की है, हालांकि उसने पत्रकार की पहचान सार्वजनिक नहीं की। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि एक विदेशी पत्रकार का अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा गया। कुछ समय से वह न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के लिए रिपोर्टिंग कर रही थी। इसी वेबसाइट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने पत्रकार को सुरक्षा वजहों से इराक की यात्रा न करने की सलाह भी दी थी।

सीरिया में शैली किटल्सन। उन्होंने ये तस्वीर X पर सितंबर 2025 में शेयर की थी।

इराकी मिलिशिया कतीब हिजबुल्लाह पर आरोप

फिलहाल यह साफ नहीं है कि यह घटना मिडिल ईस्ट में चल रही जंग से जुड़ी है या नहीं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों द्वारा पहले भी विदेशी नागरिकों और अमेरिकी हितों को निशाना बनाया जाता रहा है। CNN से जुड़े वॉर एक्सपर्ट एलेक्स प्लिटास ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि किटल्सन को ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया कतीब हिजबुल्लाह ने अगवा किया है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिकी फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन उन रिपोर्टर्स में गिनी जाती हैं जो दुनिया के सबसे खतरनाक संघर्ष क्षेत्रों से ग्राउंड रिपोर्टिंग करती हैं। उनका काम मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट खासकर इराक और सीरिया पर केंद्रित रहा है। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए काम किया है।

एक आरोपी गिरफ्तार लेकिन पत्रकार का सुराग नहीं

गृह मंत्रालय के अनुसार सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर अपहरणकर्ताओं का पीछा किया। इस दौरान अपहरण में इस्तेमाल हो रही एक गाड़ी पलट गई, जिससे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और कुछ वाहन भी जब्त किए गए।

हालांकि पत्रकार को ले जा रही दूसरी गाड़ी मौके से फरार हो गई और वह बगदाद के दक्षिण की ओर निकल गई।

दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अपहरण की शिकार पत्रकार एक अमेरिकी महिला हैं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हथियारबंद लोग उनकी गाड़ी रोककर उन्हें जबरन बाहर निकालते दिख रहे हैं। सउदी अरब के चैनल अल-अरबिया ने इस कथित अपहरण का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

> **शैली किटल्सन युद्ध क्षेत्रों में रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं और उन्हें 2017 में प्रेमियो कारावेला अवॉर्ड मिल चुका है। वह मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट, खासकर इराक और सीरिया से जुड़ी रिपोर्टिंग करती रही हैं।**

कुवैत-बहरीन पर हमले, कतर के पास टैंकर क्षतिग्रस्त

मिडिल ईस्ट में युद्ध का आज 33वां दिन

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच मिडिल-ईस्ट में चल रहे संघर्ष को एक महीने से ज्यादा का समय हो गया है और इस दौरान सैन्य कार्रवाई, कूटनीतिक तनाव और दुनिया में चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इस बीच कुवैत और बहरीन पर ताजा हमले हुए हैं और कतर के पास एक टैंकर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, इजरायल ने यमन से आई मिसाइल को रोक दिया।

इजरायली सेना ने बताया कि बुधवार को ईरान की ओर से किए गए मिसाइल हमले का उसके हवाई सुरक्षा तंत्र ने जवाब दिया, जिसके बाद मध्य इजरायल के कई इलाकों में चेतावनी वाले सायरन बज उठे।

सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ₹कुछ देर पहले आईडीएफ ने ईरान की ओर से इजरायल की सीमा क्षेत्र की तरफ दागी गईं मिसाइलों का पता लगाया। इस खतरे को रोकने के लिए हमारे रक्षा तंत्र सक्रिय हो गए हैं। इजरायली सेना ने कहा कि उसने बुधवार को तेहरान पर हमले किए, जहां ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने कई इलाकों में धमाकों की खबर दी। सेना के एक संक्षिप्त बयान में कहा गया कि इजरायली सेना ने तेहरान में ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली है।

फास्ट न्यूज

स्पेन-फ्रांस के बाद इटली ने अमेरिका को दिया झटका

नई दिल्ली। स्पेन के बाद इटली ने भी ईरान के खिलाफ जारी सैन्य संघर्ष में अमेरिका को अपने सैन्य अड्डों के उपयोग की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेट्टो ने यह निर्णय तब लिया जब जानकारी मिली कि कुछ अमेरिकी बमवर्षक विमान पश्चिम एशिया की ओर जाते समय सिसिली स्थित सिगोनेला नौसेना एयर बेस पर उतरना चाहते हैं।

रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर दस दिन में पांचवां हमला

रायटर। यूक्रेन ने मंगलवार को रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर फिर ड्रोन हमला किया। पिछले दस दिनों में इस बंदरगाह पर यूक्रेन ने पांचवीं बार हमला किया है। ताजा हमले में बंदरगाह का लोडिंग टर्मिनल निशाना गया है। इससे रूस के कच्चे तेल के निर्यात में मुश्किल पैदा हो गई है।

ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट रुके होने के कारण रूस का तेल निर्यात बाजार की कीमतों को बढ़ने से रोकने में बड़ी मदद कर रहा है, लेकिन तेल ठिकानों और टैंकरों पर यूक्रेन के लगातार हमलों ने रूस के तेल निर्यात को प्रभावित किया है।

पश्चिम एशिया युद्ध की भारी कीमत

न्यूयॉर्क । पश्चिम एशिया में जारी संकट का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है, लेकिन पश्चिम एशियाई देशों की अर्थव्यवस्था पर इसका असर ज्यादा गहरा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध के चलते पश्चिम एशियाई क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है और 40 लाख से ज्यादा लोगों के गरीबी रेखा से नीचे जाने की आशंका है। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव, अब पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है।

रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर दस दिन में पांचवां हमला

रायटर, एजेंसी

यूक्रेन ने मंगलवार को रूस के उस्त-लुगा बंदरगाह पर फिर ड्रोन हमला किया। पिछले दस दिनों में इस बंदरगाह पर यूक्रेन ने पांचवीं बार हमला किया है। ताजा हमले में बंदरगाह का लोडिंग टर्मिनल निशाना गया है। इससे रूस के कच्चे तेल के निर्यात में मुश्किल पैदा हो गई है। ईरान युद्ध के चलते होर्मुज स्ट्रेट रुके होने के कारण रूस का तेल निर्यात बाजार की कीमतों को बढ़ने से रोकने में बड़ी मदद कर रहा है, लेकिन तेल ठिकानों और टैंकरों पर यूक्रेन के लगातार हमलों ने रूस के तेल निर्यात को प्रभावित किया है।

अमेरिका ने रूसी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाते हुए यूक्रेन को रूस के ठिकानों पर हमले न करने का संदेश भी दिया है, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसके बदले में यूक्रेन में युद्धविराम की शर्त रख दी है। रूस के तेल निर्यात ढांचे पर यूक्रेन ड्रोन हमले बढ़ाता जा रहा है। उस्त-लुगा बंदरगाह से प्रतिदिन करीब सात लाख बैरल कच्चे तेल का निर्यात होता है। ताजा यूक्रेनी हमलों से रूस की तेल निर्यात क्षमता करीब 40 प्रतिशत कम हो गई है। रूस ने इन हमलों को यूक्रेन की आतंकी कार्रवाई कहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हमारी निर्यात क्षमताएं प्रभावित हुई हैं। बंदरगाहों को थोड़ा नुकसान हुआ है। लेकिन उसकी भरपाई हम गुप्त स्थानों पर स्थित अपने ठिकानों से निर्यात से कर रहे हैं।

- **तेल निर्यात 40 प्रतिशत घटा, जेलेंस्की ने युद्धविराम की रखी शर्त**

हाफिज सईद के बेटे के साथ हाथ मिलाता दिखा शहबाज का खास

पाक का आतंकियों से गठजोड़ फिर बेनकाब

नई दिल्ली, एजेंसी

आतंकवादियों का गढ़ पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हुआ है। हाल ही में फैसलाबाद के अंदर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का सहयोगी लश्कर-ए-तैयबा का मोस्ट वॉन्टेड आंतकी हाफिज सईद के बेटे से हाथ मिलाता हुआ दिखा। इसकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

इससे एक बार फिर पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के बीच गहरे गठजोड़ का पर्दाफाश हुआ है। शरीफ के राजनीतिक मामलों के सलाहकार राणा सनाउल्लाह की फैसलाबाद में एक शादी के दौरान तल्हा सईद के साथ तस्वीर सामने आई है। तल्हा सईद 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का बेटा है। यह घटना अमेरिकी रिपोर्ट के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है, जिसमें पाकिस्तान में सक्रिय 15 आतंकी संगठनों का जिक्र किया गया था। इनमें से कई भारत को निशाना बनाते हैं और जो इस दक्षिण एशियाई देश से जुड़ी लगातार बनी वैश्विक सुरक्षा चिंताओं को रेखांकित करती है।

कांग्रेस रिसर्च सर्विस की हालिया रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि वर्षों तक चले सैन्य अभियानों और नीतिगत उपायों के बावजूद, आतंकी संगठन अभी भी पाकिस्तानी जमीन पर सक्रिय हैं।

मंच पर खुल्लमखुल्ला हो रही बातचीत

हालांकि, इन दोनों की मुलाकात किस तरीख को हुई, इसका पता नहीं लग पाया है लेकिन उस हाई-प्रोफाइल सामाजिक कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं, जिनमें सनाउल्लाह और तलहा सईद मंच पर खुले तौर पर बातचीत करते और हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

हाफिज सईद भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादियों में से एक है और 2008 के मुंबई हमले से लेकर पुलवामा बम धमाके तक की जांचों में उसका नाम शामिल है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने उसके खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं, जिनमें उसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादी गतिविधियों से जोड़ा गया है।

- **शहबाज शरीफ के सहयोगी राणा सनाउल्लाह की तल्हा सईद से मुलाकात।**
- **यह मुलाकात पाकिस्तान के आतंकी संगठनों से गहरे गठजोड़ को दर्शाती है।**
- **अमेरिकी रिपोर्ट ने भी पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी समूहों का किया जिक्र।**

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत पर केंद्रित कई समूह पाकिस्तान में अब भी सक्रिय हैं, जिनमें 2008 के मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार लश्कर-ए-तैयबा और 2001 में भारतीय संसद पर हुए हमले से जुड़ा जैश-ए-मोहम्मद शामिल हैं। इसमें आगे यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान का इस्तेमाल इन आतंकवादी समूहों के लिए एक अड्डे और एक लक्ष्य, दोनों के तौर पर किया जा रहा है।

कब्रिस्तान महंगा होने पर लोग प्रॉपर्टी खरीद रहे थे, उसमें अस्थियां रखते थे

खाली फ्लैट खरीद परिजनों की अस्थियां रखने पर बैन

बीजिंग, एजेंसी

चीन की सरकार एक नया कानून लाने जा रही है, जिसके तहत लोग अपने परिजनों की राख को खाली अपार्टमेंट में नहीं रख पाएंगे। इसे 'बोन ऐश अपार्टमेंट' कानून कहा जा रहा है।

इसके साथ ही सार्वजनिक कब्रिस्तानों के अलावा कहीं और शव दफनाने या मकबरे बनाने पर भी रोक होगी

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक चीन में कब्रिस्तान लगातार महंगा होता जा रहा है। ऐसे में 'गुहुई फांग' यानी ऐसे फ्लैट्स का चलन बढ़ गया है, जहां लोग अपने परिजनों की अस्थियां रखते हैं।

तेजी से शहरीकरण और बुजुर्ग आबादी बढ़ने के कारण शहरों में कब्रिस्तान की जमीन कम होती जा रही है और उनकी कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई है।

नया कानून 31 मार्च से लागू हो गया है। यह 6 अप्रैल को होने वाले छिंगमिंग त्योहार से ठीक पहले है। इस त्योहार में लोग अपने पूर्वजों की कब्रों की सफाई करते हैं और उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं।

प्रॉपर्टी खरीदना, कब्रिस्तान खरीदने से सस्ता

चीन में हाल के वर्षों में घरों की कीमतें काफी गिरी हैं और 2021 के मुकाबले 2025 तक करीब 40% तक कम हो गई हैं। लोग इसक फायदा उठा रहे हैं। खाली फ्लैट खरीदकर उसमें राख रखना, महंगे कब्रिस्तान या अंतिम संस्कार के खर्च से सस्ता पड़ता है।

इन खाली फ्लैट्स को लोग एक तरह से पूजा स्थल में बदल देते हैं, जहां मोमबत्तियां, लाल रोशनी और अलग-अलग पीढ़ियों की अस्थियां सजा कर रखी जाती हैं। चीनी मीडिया के मुताबिक, ऐसे फ्लैट्स की पहचान अक्सर बंद परदों या पूरी तरह सील की गई खिड़कियों से होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अंतिम संस्कार का खर्च जापान के बाद चीन में दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा है। चीन में कब्रिस्तान की जगह आमतौर पर सिर्फ 20 साल की लीज पर मिलती है, जबकि घरों के लिए 70 साल के इस्तेमाल का अधिकार मिलता है।

इसी वजह से कई लोग अब कब्रिस्तान की बजाय फ्लैट को ज्यादा बेहतर विकल्प मानने लगे हैं। हालांकि अंतिम संस्कार के लिए फ्लैट खरीदने से शहरों में हाउसिंग व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इससे बाजार का संतुलन बिगड़ने का खतरा भी है। सरकार नहीं चाहती कि घरों का इस तरह से इस्तेमाल किया जाए।

राजधानी बीजिंग में एक सामान्य कब्र की कीमत करीब 1.5 लाख युआन (लगभग 20 लाख रुपए) से शुरू होकर 3 लाख युआन (करीब 40 लाख रुपए) तक जाती है। यह बीजिंग के हिसाब से भी काफी महंगा है। वहीं, बीजिंग के चांगपिंग तियानशो कब्रिस्तान में दफनाने की कीमत करीब 10,000 युआन से 2 लाख युआन (1.3 लाख से 26 लाख रुपए) तक है। इसे दफन का इको फ्रेंडली विकल्प माना जाता है।

सरकार ने मार्च में 2 लाख करोड़ जीएसटी वसूला

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल मार्च में ग्रॉस GST कलेक्शन सालाना आधार पर 8.8% बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया। यह 10 महीने का हाई है। वहीं मार्च 2025 में यह आंकड़ा 1.83 लाख करोड़ रहा था।

वहीं सरकार का मार्च में नेट GST कलेक्शन सालाना आधार पर 8.2% बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए रहा। 1 अप्रैल को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2025 में यह आंकड़ा 1.64 लाख करोड़ रहा था। ग्रॉस GST सरकार का कुल जमा किया गया टैक्स है, जबकि नेट GST वह राशि है जो ग्रॉस कलेक्शन में से करदाताओं यानी टेक्सपेयर्स को लौटाए गए रिफंड को घटाने के बाद बचती है। वहीं टोटल रिफंड सालाना आधार पर 13.8% बढ़कर 0.22 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। मार्च 2025 में यह आंकड़ा 0.19 लाख करोड़ था। ग्रॉस डोमेस्टिक रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें सालाना आधार पर 5.9% की बढ़ोतरी हुई। जबकि ग्रॉस इम्पोर्ट रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 17.8% रहा। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ग्रॉस GST कलेक्शन साल-दर-साल 8.3% बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया, जबकि नेट GST कलेक्शन 7.1% बढ़कर 19.34 लाख करोड़ रुपए हो गया।

- **यह 10 महीने में सबसे ज्यादा वित्त वर्ष 2025-26 में 22 लाख करोड़ कलेक्शन हुआ**

अनुमान : आगे क्या होंगी बड़ी चुनौतिया ■ कब तक संकट रहेगा बरकरार?

दो हफ्ते में ईरान युद्ध खत्म होने का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह संघर्ष अगले दो हफ्तों में खत्म हो सकता है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अगर युद्ध जल्दी खत्म भी हो जाए, तब भी दुनिया को ऊर्जा संकट से बाहर आने में काफी समय लग सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि बिना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने के समझौते के भी युद्ध खत्म हो सकता है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि युद्ध खत्म होने के बाद भी तेल और गैस की सप्लाई में बाधा बनी रह सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अभी जो टैंकर समुद्र में फंसे हुए हैं, उनका असर आने वाले हफ्तों में दिखेगा। यानी आज की समस्या का पूरा असर अभी सामने आना बाकी है। तेल ले जाने वाले बड़े जहाजों की शिपिंग लागत भी बहुत बढ़ गई है। युद्ध के दौरान इनका किराया 4 लाख डॉलर प्रतिदिन से ज्यादा पहुंच गया, जबकि कुछ मामलों में यह 7.7 लाख डॉलर प्रतिदिन तक भी गया। इसके अलावा ईंधन, पोर्ट चार्ज और अन्य खर्च मिलाकर लागत और बढ़ जाती है। ऐसे में शिपिंग रेट्स को सामान्य होने में 2 से 6 हफ्ते तक का समय लग सकता है। अगर युद्ध दो हफ्तों में खत्म नहीं होता और लंबा चलता है, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। हर अतिरिक्त हफ्ता सप्लाई और कीमतों को सामान्य होने में 1 से 2 हफ्ते और जोड़ सकता है।

हालात सामान्य होने में लगेंगे 6 से 8 हफ्ते

अगर युद्ध दो हफ्तों में खत्म भी हो जाता है, तब भी तेल उत्पादन और सप्लाई को पहले जैसी स्थिति में लौटने में 6 से 8 हफ्ते लग सकते हैं। इसकी वजह यह है कि पहले जमा हुआ तेल जहाजों तक पहुंचाना होगा और फिर सप्लाई चेन को धीरे-धीरे सामान्य करना पड़ेगा।

युद्ध के दौरान तेल और गैस के इंफ्रास्ट्रक्चर को जो नुकसान हुआ है, उसकी मरम्मत भी समय लेगी। कुछ छोटे नुकसान जल्दी ठीक हो सकते हैं, लेकिन बड़े प्लांट्स को ठीक करने में महीनों या एक साल तक भी लग सकता है।

> **युद्ध के बाद समुद्र में बिछाई गई माइंस को हटाना एक बड़ी चुनौती होगी। यह काम न सिर्फ खतरनाक है बल्कि काफी समय लेने वाला भी है। साथ ही, जिन जहाजों को नुकसान हुआ है, उनका मलबा हटाना भी जरूरी होगा।**

सोना आज 2,836 बढ़कर 1.50 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज 1 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,836 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 9,348 रुपए बढ़कर 2.39 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2.30 लाख रुपए प्रति किलो थी। ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं। खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशनः राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 16,374 रुपए और चांदी 9,063 रुपए महंगी हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96